राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 17 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-25 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान : केमिकल फैक्ट्री में धमाका, 8 जिंदा जले

अवैध रूप से बन रहे थे पटाखे, 3 मृतकों की हुई पहचान

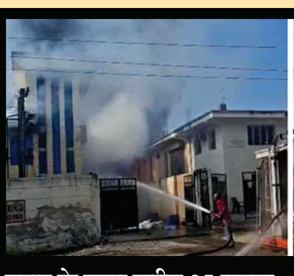

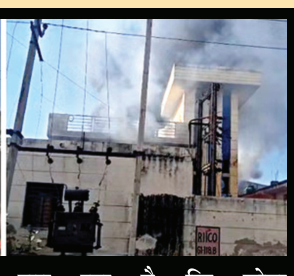

भिवाड़ी (एजेंसी)। राजस्थान के भिवाड़ी की केमिकल फैक्ट्री में अचानक तेज धमाका हुआ। इसमें 8 मजदूर जिंदा जल गए, जबकि 4 गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें दिल्ली एम्स रेफर किया गया है। तीन मृतकों की पहचान बिहार के मोतिहारी जिले के मिंटू, नितेश और सुजान के रूप में हुई है। इस फैक्ट्री में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। मौके से बारूद, पटाखे और पैकिंग के डिब्बे मिले हैं। हादसा खुशखेड़ा कारौली इंडस्ट्रियल एरिया में सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुआ। घटना के समय करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। शव बुरी तरह जल गए थे। कई शवों के कंकाल भर बचे थे। बॉडी पार्ट्स के टुकड़े बिखरे मिले। रेस्क्यू टीम ने इन टुकड़ों को पॉलीथीन में इकट्ठा किया। कलेक्टर अर्तिका शुक्ला ने कहा- देखकर लग रहा है कि छोटा एक्सप्लोसिव मटेरियल था। गैस रिसाव नहीं था। एडीएम सुमिता मिश्रा के अनुसार, फैक्ट्री मालिक का नाम राजेंद्र है। उन्होंने किसी तिवारी को यह फैक्ट्री लीज पर दी थी। दोनों से संपर्क नहीं हो पाया है। मंत्री संजय शर्मा और तिजारा विधायक बालकनाथ ने मृतकों के परिजनों से मिलने पहुंचे, लेकिन परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्हें किसी की सुध नहीं है। ऐसे में वे न तो नेताओं से मिल पाने की स्थिति में है, न ही कुछ बोलने की। 8 मृतकों में से 3 की पहचान हो गई है। ये तीनों मिंटू, नितेश और सुजान बिहार के मोतिहारी जिले के रहने वाले थे। इसके अलावा 4 मजदूरों अनूप कुमार, जुन्नु, विवेक कुमार और मन्नू को एम्स रेफर किया गया है। बाकी शव इतनी बुरी तरह जल गए है कि पहचान

मंत्री बोले: गैरकानूनी तरीके से बनाए जा रहे थे पटाखे

मंत्री संजय शर्मा ने कहा-यह गारमेंट जोन है, यहां दूसरा व्यवसाय नहीं हो सकता, लेकिन गैरकानूनी तरीके से पटाखे बनाने का काम गेट पर ताले लगाकर किया जा रहा था। मृतकों की पहचान डीएनए से कराई जा रही है। अधिकतर मजदूर बिहार के बताए जा रहे हैं। खैरथल-तिजारा जिला कलेक्टर बिहार के मोतिहारी जिले के कलेक्टर से लगातार संपर्क में हैं। राज्य सरकार ने एक कमेटी गठित की है। जिला प्रशासन, खासकर रीको को निर्देशित किया गया है। पूरे भिवाड़ी और खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया जाएगा। फैक्ट्री जिस काम के लिए रजिस्टर्ड है, उसके अलावा कोई अन्य काम होता पाया गया तो कार्रवाई की जाएगी।

गुजरात: 32 स्कूलों में बम की धमकी: ईमेल में लिखा- बस को उड़ा देंगे

■ हिंदुस्तान टुकड़ों में बंट जाएगा, पैरेंट्स बच्चे लेकर लौटे

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के 32 स्कूलों में ईमेल के जरिए बम की धमकी दी गई है। वडोदरा के 17 और अहमदाबाद के 15 स्कूल शामिल हैं। ईमेल में लिखा गया कि गुजरात खालिस्तान बन जाएगा, हिंदुस्तान टुकड़ों में बंट जाएगा। जानकारी सामने आते ही पैरेंट्स तुरंत स्कूल पहुंचे और बच्चों को वापस ले आए। बम निरोधक दस्ते ने स्कूलों में तलाशी शुरू कर दी है। फिलहाल स्कूलों को खाली करा लिया गया है और वाहनों व स्कूल परिसरों की जांच की जा रही है। एहतियात के तौर पर वडोदरा के उर्मी स्कूल के छात्रावास को भी खाली करा लिया गया है। वडोदरा पुलिस कमिश्नर नरसिम्हा कुमार ने बताया कि टीचर्स और स्टूडेंट को स्कूलों से घर भेज दिया गया है। 9 स्कूलों पर जांच पूरी हो चुकी है, बाकी जगह जारी है। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। पूरे मामले की जांच की जाएगी। हम पता लगा रहे हैं कि ईमेल किस आईडी से और कहां से भेजा गया है। नैनीताल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। वकील अपने-अपने चेंबर से दौड़कर बाहर आए ' जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवत प्रसाद ने बताया कि अभी ऑल इंडिया जजेज एसोसियेशन के ई-मेल पर एक मेल आया है, जिसमें एक बजे तक जिला कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।

जम्मू-कश्मीर में 14 टूरिस्ट स्पॉट फिर से खोले गए

■ पहलगाम हमले के बाद से बंद थे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश में बंद 14 टूरिस्ट स्पॉट को फिर से खोलने का ऐलान किया। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि पूरी सिक्योरिटी रिव्यू और चर्चा के बाद मैंने कश्मीर और जम्मू डिवीजन में और टूरिस्ट स्पॉट फिर से खोलने का ऑर्डर दिया है। कश्मीर डिवीजन में 11 टूरिस्ट स्पॉट - यूसमर्ग, बडगाम में दूधपथरी, कोकरनाग में दांडीपोरा पार्क, पीर की गली, शोपियां में दुबजान और पड़पावन, श्रीनगर में अस्तनपोरा, ट्यूलिप गार्डन, थजवास ग्लेशियर, गंदेरबल में हंग पार्क और बारामूला में वुलर/वतलाब को फिर से खोला जाएगा। वहीं जम्मू डिवीजन में 3 टूरिस्ट स्पॉट- रियासी में देवी पिंडी, रामबन में माहू मंगत और किश्तवाड़ में मुगल मैदान आम पब्लिक के लिए ओपन होंगे। घूमने वाली इन जगहों को पिछले साल अप्रैल में हुए पहलगाम अटैक के बाद से बंद कर दिया गया था।

राजनाथ बोले : भारतीय सेना भगवान शंकर से प्रेरणा लेती है

लोगों की मदद भी करती है और जरूरत पर ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई भी

कोयंबटूर (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेना भगवान शिव से प्रेरणा लेती है। उन्होंने कहा कि जैसे भगवान शिव सुरक्षा और विनाश दोनों के प्रतीक हैं, वैसे ही आज हमारी सेनाएं निडरता और धैर्य दोनों रखती हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि एक तरफ, वे संकट के समय शिव की भावना से मानवीय सहायता देते हैं, दूसरी तरफ, जब जरूरत होती है, तो वे रुद्र की तेजी से ऑपरेशन सिंदूर जैसे ऑपरेशन करते हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रयान और आदित्य-छ1 जैसे भारत के स्पेस मिशन सिर्फ टेक्नोलॉजिकल अचीवमेंट नहीं हैं, बल्कि यह एक पुरानी साइंटिफिक विरासत का मॉडर्न एक्सप्रेशन है। राजनाथ सिंह रविवार को ईशा फाउंडेशन के महाशिवरात्रि कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने सद्गुरु जग्गी वासुदेव के साथ कुछ लोगों को सम्मानित भी किया। भगवान शिव शुरूआत, हमेशा रहने वाले और अनंत हैं। शिव सत्य हैं और जो भी सत्य है वह शिव है। ऐसा माना जाता है कि ये वेल्लंगिरी पहाड़ियां शिव की पवित्र गुफा हैं, जिन्हें दक्षिण का कैलाश कहा जाता है। चंद्रयान और आदित्य-L1 जैसे भारत के स्पेस मिशन सिर्फ टेक्नोलॉजिकल अचीवमेंट नहीं हैं, बल्कि यह एक मॉडर्न एक्सप्रेशन है कि पुरानी साइंटिफिक भावना हमेशा से हमारी कल्चरल पहचान का हिस्सा रही है। जैसे हम स्पेस में सैटेलाइट भेजते हैं, वैसे ही हम अपने साइंटिफिक कल्चर को भी आगे बढ़ा रहे हैं। नेशनल सिक्योरिटी भारत के सैनिकों के हथियारों, टेक्नोलॉजी और फिजिकल ताकत से जुड़ी होती है।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए सैनिकों को सम्मानित किया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सद्गुरु जग्गी वासुदेव के साथ ईशा फाउंडेशन की ओर से सम्मानित लोगों को भव्य भारत भूषण अवॉर्ड मेडल और सर्टिफिकेट दिए। ये अवॉर्ड वेस्टर्न एयर कमांड के एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा और वेस्टर्न नेवल कमांड के एडमिरल राहुल विकास खोकले को ऑपरेशन सिंदूर के लिए दिए गए। दूसरे अवॉर्ड पाने वालों में आर्टिस्ट डॉ. एन. राजन, डांसर अलमेल वल्ली, रॉकेट साइंटिस्ट डॉ. नांबी नारायणन, ISRO के पूर्व चेयरमैन ए.एस. किरण कुमार, एकेडमिशियन विक्रम संपत और बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल शामिल थे।

हिमंता शूटिंग वीडियो मामला, सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

■ कहा- चुनाव से पहले कोर्ट का दरवाजा खटखटाना ट्रेंड बन गया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ वायरल वीडियो पर कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। वीडियो में सीएम को एक खास समुदाय के सदस्यों पर राइफल से निशाना साधते और फायरिंग करते हुए दिखाया गया था। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने पिटीशनर्स से गुवाहाटी हाई कोर्ट जाने को कहा। हालांकि कोर्ट ने कहा कि चुनाव से पहले कोर्ट का दरवाजा खटखटाना ट्रेंड बन गया है, कोर्ट को प्लेग्राउंड मत बनाइए। \ असम में आने वाले विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव का एक हिस्सा उससे पहले लड़ा जाता है। जोकि ठीक नहीं है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट हिमंता के खिलाफ लगाई गई तीन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। दो याचिकाएं CPI(M) और CPI ने लगाई थीं। तीसरी याचिका असम के चार लोगों ने मिलकर दायर की थीं। दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी X हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट-ब्लैंक शॉट था।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में एवलांच

हिमाचल, उत्तराखंड में बर्फबारी के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के हिमालयी इलाकों में दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हैं। आज से दो दिन हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब-चंडीगढ़ में 17-18 फरवरी को बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में रविवार शाम 5 बजे भद्रवाह-पठानकोट इंटर-स्टेट रोड पर एवलांच हुआ। यह थांथेरा और गुलदांडा के बीच था। यहां 40 से ज्यादा टूरिस्ट वाहन फंस गए थे, जिन्हें एक-एक कर निकाला गया। उत्तराखंड में गुंजी-आदि कैलाश मोटर मार्ग पर जमीं 10 फीट बर्फ को सीमा सड़क संगठन (BRO) ने हटाया। यहां तापमान -18°C है। राज्य में कल से 5 जिलों उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में बारिश-बर्फबारी की संभावना है। MP में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते 18-19 फरवरी के बीच बारिश हो सकती है। रविवार को खंडवा-खरगोन में दिन का तापमान 34°C के पार रहा। 16 जिलों 30°C से ज्यादा रहा। मध्य प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते 18-19 फरवरी के बीच बारिश हो सकती है। रविवार को खंडवा-खरगोन में दिन का तापमान 34°C के पार रहा। 16 जिलों 30°C से ज्यादा रहा। फरवरी की शुरूआत में प्रदेश में दो बार ओले, बारिश और आंधी का दौर रह चुका है। अब तीसरी बार बारिश की आशंका है।उत्तर प्रदेश के कुछ शहरों में दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। बांदा में तापमान 31.2°C रहा।

फरीदाबाद : फैक्टरी में फटे कई केमिकल ड्रम

फरीदाबाद (एजेंसी) । हरियाणा के फरीदाबाद स्थित मुजेसर इलाके में एक निजी कंपनी में सोमवार शाम को हुए एक भीषण हादसे में 30 से अधिक कर्मचारी झुलस गए। कंपनी में मेटल शीट कटिंग का काम होता है, जिसके लिए सीएनसी मशीनें लगी हैं। शाम के समय जब कर्मचारी काम कर रहे थे, तभी वहां रखे एक केमिकल ड्रम में अचानक धमाका हो गया। इसके बाद एक के बाद एक कई ड्रम फटते चले गए, जिससे आग लग गई और कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम को कंपनी में कर्मचारी अपना काम कर रहे थे। इसी दौरान, अचानक एक ड्रम में विस्फोट हुआ। इस विस्फोट ने आस-पास रखे अन्य ड्रमों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कई और ड्रम फट गए। इस धमाके और आग की चपेट में आकर 30 से अधिक कर्मचारी झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। बचाव कार्य शुरू कर दिया गया और घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल और आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

सपा-कांग्रेस 'वंदे मातरम्' का विरोध कर रहे : सीएम योगी

राष्ट्रीय गीत के साथ क्यों नहीं खड़े?

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधान परिषद में सीएम योगी ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कहा, विपक्ष से किसी तरह की उम्मीद करना बेवकूफी है। पहले की सरकारों ने यूपी को अपराध का गढ़ बना दिया था। कर्फ्यू यहां की पहचान बन गई थी। वंदे मातरम् का 150वां साल चल रहा। मैं पूछता हूं, सपा-कांग्रेस आखिर इसका विरोध क्यों कर रहे? इस देश में रहोगे और यहां के राष्ट्रीय गीत पर खड़े नहीं होगे। पहली की सरकारों का विकास परिवारवादी था। जेपीएनआईसी का उदाहरण देते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। कहा कि 800 करोड़ खर्च हो गए वह फिर अधूरा है। हमने जेपी के जन्मभूमि पर अस्पताल बनवाया।1400 करोड़ खर्च हो गए, फिर भी गोमती रिवर फ्रंट का प्रोजक्ट अधूरा है, यह महज 300 करोड़ का प्रोजेक्ट था। सीएम योगी ने कहा, सरकार ने अपने कार्यकाल में अराजकता फैलाई। इसीलिए युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ। किसान सुसाइड के लिए मजबूर हुआ। आज जल, थल, नभ तीनों यूपी के अंदर देखने को मिलता है। यूपी में पहली रैपिड रेल का उद्घाटन 22 फरवरी को होगा। आज यूपी में सुरक्षा का बेहतरीन वातावरण है। मेरठ से दिल्ली सिर्फ 45 मिनट में तय होता है। आज 22 एक्सप्रेसवे वाला राज्य यूपी है। इनमें 7 क्रियाशील हो चुके हैं और 5 निमार्णाधीन हैं। 10 पर हम काम कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा, 2017 से पहले राशन वितरण की खूब शिकायतें थीं। आज कोई शिकायत नहीं है, क्योंकि टेक्नालॉजी का उपयोग किया गया। 6 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे। किसी भी सेक्टर में यदि यूपी के युवा को मौका मिला, तो उसने अपनी अलग छाप छोड़ी। डाटा आज की सबसे बड़ी ताकत है। एआई देश का मर्चिंग सेक्टर है। इसके लिए बजट में व्यवस्था की गई है। सीएम योगी ने कहा, 'सीएम युवा उद्यमी' स्कीम से काम चल रहा है। हर साल एक लाख युवा उद्यमी बन सकें, इसके लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ईवी के पहली यूनिट लखनऊ में स्थापित हुई है। 20 हजार से अधिक स्टार्ट अप यूपी में चल रहे हैं।

किसान सिर्फ वोट बैंक था

सीएम ने कहा, यूपी को बीमारू राज्य कहकर लोग इसका मजाक उड़ाते थे। आज देश की जीडीपी में 9.5 फीसदी है। प्रति व्यक्ति आया तीन गुना हुई है। 8.5 वर्षों में कोई नया टैक्स नहीं लगाया, हां टैक्स चोरी रोकी है। आज रेवेन्यू सरप्लस प्रदेश के रूप में हम हैं। 2017 से पहले कृषि के लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं थी। किसान सिर्फ वोट बैंक था। आज लागत कम उत्पादन ज्यादा है। आज किसान विकास का साथी है। जो भी पैसा होता है, डीबीटी के माध्यम के सीधे अन्नदाता के खातों में जाता है।

तमिलनाडु में आदिवासियों ने बनाई खुद की कंपनी

100 से ज्यादा गांवों के हजारों लोगों ने जंगल के उत्पादों को बाजार तक पहुंचाया, 1.4 करोड़ रु. से ज्यादा टर्नओवर

नीलगिरी (एजेंसी)। तमिलनाडु की नीलगिरी की पहाड़ियों में बसे 100 से ज्यादा आदिवासी गांवों ने मिलकर कंपनी बनाई है। आंवला, शिकाकाई, कॉफी, शहद और जंगल से मिलने वाली दूसरी प्राकृतिक चीजें जुटाते और कंपनी के जरिए शहरों में बेचते हैं। इस कंपनी से इन गांवों के 10 हजार से ज्यादा लोग जुड़े हुए हैं। इसमें इनकी मदद की कीस्टोन फाउंडेशन ने। फाउंडेशन ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर काम शुरू किया। ट्रेनिंग, प्रोसेसिंग सेंटर्स और बाजार बनाने की कोशिशों से नया मॉडल तैयार हुआ। 2013 में आदिमलाई पझंगुडियिनार प्रोड्यूसर कंपनी लि. की शुरूआत हुई, जिसे खुद यहां के आदिवासी ग्रामीण चलाते हैं। इसका टर्नओवर 1.4 करोड़ रु. से ज्यादा है। कंपनी बाजार से 20% ज्यादा दाम पर सामान बेचती है आदिमलाई कंपनी नीलगिरी के कई गांवों को जोड़कर काम कर रही है। इसमें कुल 1,809 शेयरहोल्डर्स हैं। ज्यादातर ग्रामीण और आदिवासी समुदायों से आते हैं, जिनमें करीब आधी महिलाएं हैं। कंपनी के गांवों में बने प्रोसेसिंग सेंटर्स में शहद, आंवला, जामुन, कॉफी, बाजरा, काली मिर्च और जंगल से मिलने वाली दूसरी चीजों को सुखाते, पैक करते और स्टोर करते हैं। किसान और जंगल से उत्पाद जुटाने वाले लोग अपना सामान कंपनी को देते हैं, फिर कंपनी उसे प्रोसेस करके बाजार तक पहुंचाती है। दाम तय करने के लिए नियमित बैठकों में अलग-अलग क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। कोशिश रहती है कि सामान का भाव बाजार से कम से कम 20% ज्यादा रखा जाए। वजन के लिए इलेक्ट्रॉनिक तराजू इस्तेमाल किए जाते हैं ताकि किसानों को सही भुगतान मिले। शहद संग्राहकों का दुर्घटना बीमा, महिलाओं की हिस्सेदारी भी बढ़ी इन गांवों में रहने वाले आदिवासी परिवारों की आमदनी बढ़ी है और पलायन पूरी तरह बंद हो गया है। कंपनी सालभर का मुनाफा स्टेकहोल्डर्स में उनके योगदान के हिसाब से बांटती है। खतरनाक जगहों पर काम करने वाले शहद संग्राहकों और दूसरे लोगों का दुर्घटना बीमा कराया जाता है। इसके अलावा कंपनी ने महिलाओं की भागीदारी पर खास ध्यान दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोशल मीडिया के मोहपाश से मुक्ति की जरूरत

अविजित पाठक

देखने वाले युवा को इस चकाचौंध भरी जीवनशैली से अपनी नाकाबिलियत और आत्म-सम्मान की कमी महसूस हो सकती है। जब इस किस्म का कोई 'इन्फ्लुएंसर' कच्चे मन वाले किसी किशोरवय की उम्मीदों को आकार देना शुरू देता है, तो वह यह मानने लग सकता है कि अगर कोई हर सुबह अपने परिवार के क्रिया-कलाप सोशल मीडिया पर डालकर इतना कमा सकता है, तो कड़ी मेहनत करने, मन लगाकर पढ़ाई करने और रचनात्मक कौशल बेहतर बनाने का क्या मतलब।

सोशल मीडिया पर ब'चों की अति सक्रियता उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत, शिक्षा और सामाजिक सरोकारों पर असर डाल रही है। ब'चों को इस मोहपाश से बचाने की जरूरत है। भले ही हम ब'चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध के विचार पर एतराज़ करें, लेकिन ठोस उपाय जरूरी हैं ताकि यह लत कम से कम हो पाए। ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया में हमारी बढ़ती सक्रियता में सब कुछ ठीक नहीं है –खासकर, जिस प्रकार फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म के प्रति आकर्षण हमारे ब'चों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है- उनके बड़े होने की प्रक्रिया, सामाजिक मेलजोल, शिक्षा और आभासी दुनिया से जुड़ने के उनके ढंग पर। क्या यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही 16 साल से कम उम्र के ब'चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, और कई यूरोपीय देश भी इसी राह पर हैं? भारत में भी, 16 साल से कम उम्र के ब'चों के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने को लेकर विचार जोर पकड़ने लगा है। जरा कल्पना करें कि आपके ब'चे पर क्या गुजरेगी जब आप उससे कहें कि कुछ दिन के लिए वह स्मार्टफोन का इस्तेमाल न करे, और इसकी बजाय ध्यान केंद्रित कर पढ़ाई करने या अपने दोस्तों व प्रियजनों के साथ सीधे, आमने-सामने बात करें। जब मैं 16, 14 और 12 वर्षीय उन तीन बहनों के भाग्य के बारे में सोचता हूं, जिन्होंने गाजियाबाद की एक हाउसिंग सोसाइटी में अपने अपार्टमेंट की नौवीं मंज़िल से कूदकर जान दे दी, तो मुझे सच में डर लगता है। खबरों के मुताबिक, परिवार में कलह रहती थी, और सबसे विशेष बात, पिता अपनी तीनों बेटियों की सोशल मीडिया और टास्क-बेस्ड ऑनलाइन कोरियन गेम्स की लत से खुश नहीं थे। ऐसा लगता है कि वे तीनों यह 'झटका' बर्दाश्त नहीं कर सकीं और उन्होंने अपनी जान लेने का फैसला किया। इन दिनों मेरा यह भरोसा पुख्ता होता जा रहा है कि तकनीक दुधारी तलवार है। मसलन, स्मार्टफोन जैसे उपकरण के बारे में सोचिए। यह जादुई है। यह किसी ब'चे या किशोरवय को दें। वह तुरंत पूरी दुनिया से जुड़ जाता है, फिल्म देखेगा, गाने सुनेगा, वीडियो गेम खेलेगा, किताब पढ़ेगा, रील और वीडियो बनाएगा, मैसेज भेजेगा और अपने ढंग से फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप का इस्तेमाल करेगा। यह तकनीकज़दा 'स्मार्टनेस' उन्हें प्रभावित करेगी, लेकिन सच तो यह है कि स्मार्टफोन की यह लत उनसे कुछ ज़रूरी चीज़ भी छीन लेती है। जितना 'यादा वे स्क्रीन की लत में फंसते जाएंगे उतना ही असल दुनिया से दूर होते जाएंगे; जितना ज़्यादा ऑनलाइन गेम खेलेंगे, उतने ही अकेले पड़ते जाएंगे, क्योंकि खुली जगह में अपने दोस्तों के साथ फुटबॉल या क्रिकेट खेलने से परहेज करने लगते हैं; वे जितना ज़्यादा स्क्रॉल करेंगे, उतना ही ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घटती चली जाएगी;और सबसे बढ़कर, अपने वीडियो 'वायरल' करने में वे जितना ज़्यादा समय खपाते हैं, उनके पास किताब को छूने, पढ़ने, महसूस करने, विश्लेषण करने और अनुभव करने के लिए उतना ही कम समय बचता है। यही विरोधाभास बताता है कि सोशल मीडिया उपयोग ने ब'चों की सेहत पर असर डालना शुरू कर दिया है, उनकी व्यग्रता बढ़ा दी है, अवसाद पैदा कर दिया और उनके आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाई है। अमेरिकी सामाजिक ज्ञानमनोवैज्ञानिक जोनाथन हैड्ट ने सोचने पर मजबूर कर देने वाली अपनी किताब 'द एंक्सियस जेनरेशन' में इस त्रासदी का विश्लेषण किया है। जैसा कि हैड्ट का तर्क है कि डिजिटल युग में पैरेंट्स द्वारा ब'चों पर ध्यान कम दिए जाने की वजह से, लत के समान और परस्पर होड़ करवाने वाले सोशल मीडिया तक उनकी पहुंच बिना किसी रोक-टोक हो गई है। वहीं, इसी प्रकार, 'असल दुनिया में ओवर-पैरेंटिंग' की प्रवृत्ति (हर वक्त ब'चे के पीछे पड़े रहना) हमारे ब'चों की सामान्य विकास प्रक्रिया रोक रही है। यह देखकर दुख होता है कि बचपन अब 'खेल आधारित' नहीं रहा; 'फ़ोन आधारित' बन गया है। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि स्मार्टफ़ोन हमारे ब'चों को उनके ठीक इर्द-गिर्द के माहौल से दूर करता जा रहा है और असल ज़िंदगी की दोस्ती की जगह सतही ऑनलाइन चैट ले रही है। इसी को लेकर हैड्ट चेताते हैं कि इस 'व्यग्र पीढ़ी' में नींद की कमी, ध्यान भटकना और अकेलापन न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है। भारत में इस संकट की गंभीरता को समझें — शिक्षा के स्तर की वार्षिक रिपोर्ट (2024) के अनुसार, हमारे 76 प्रतिशत ब'चे (14-16 साल समूह) सोशल मीडिया तक पहुंच करने के लिए स्मार्टफ़ोन का इस्तेमाल करते हैं। इतना ही भयावह है जोखिमज़दा क'चे दिमागों पर कंटेंट क्रिएटर्स या यू-ट्यूब 'इन्फ्लुएंसर' का प्रभाव। एक स्थिति की कल्पना करें- आपका ब'चा तब तक सो नहीं पाता जब तक वह हर रात किसी मशहूर 'इन्फ्लुएंसर' की मनगढ़ंत कहानियां न सुन ले — उत्तराखंड के एक छोटे से शहर का एक नौजवान जिसके 31 मिलियन से ज़्यादा सब्सक्राइबर हैं और वह अपनी फैंसी कारों— मर्सिडीज-बेंज जी-वैगन, पोर्शे 718 बॉक्सटर और टोयोटा फॉ'र्यूनर लेजेंडर –का गर्वपूर्ण प्रदर्शन करता रहता है!

देखने वाले युवा को इस चकाचौंध भरी जीवनशैली से अपनी नाकाबिलियत और आत्म-सम्मान की कमी महसूस हो सकती है। जब इस किस्म का कोई 'इन्फ्लुएंसर' क'चे मन वाले किसी किशोरवय की उम्मीदों को आकार देना शुरू देता है, तो वह यह मानने लग सकता है कि अगर कोई हर सुबह अपने परिवार के क्रिया-कलाप सोशल मीडिया पर डालकर इतना कमा सकता है, तो कड़ी मेहनत करने, मन लगाकर पढ़ाई करने और रचनात्मक कौशल बेहतर बनाने का क्या मतलब। क्या यही वजह है कि हम जहां-तहां युवाओं को फोन से रील बनाते, अपने वीडियो अपलोड करते, यूट्यूब या इंस्टाग्राम पर अपनी मौजूदगी दर्ज करवाते और त्वरित लोकप्रियता एवं सफलता पाने की कोशिश करते देखते हैं? 'लाइक और सब्सक्राइब' — मानो यह हमारे जमाने का पसंदीदा मंत्र बन गया है! सवाल है हम अपने ब'चों को इस मोहपाश से कैसे बचा सकते हैं। भले ही हम अपने ब'चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के विचार पर एतराज़ करें, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि अब समय है कि हम कुछ ठोस उपाय करें ताकि यह लत न्यूनतम हो पाए। दरअसल, बतौर अध्यापक/ अभिभावक, हमें उनके साथ प्यार और हमदर्दी से बातचीत करनी चाहिए, असली और आभासी में फर्क की शिनाख्त करने को प्रोत्साहित करना चाहिए, दोस्तों -पड़ोसियों से सामाजिक मेल-जोल करना, मैदान में खेलने, किताबें पढ़ने की आदत को सक्रिय करना — हां, छपी हुई किताबें, और सोचने-समझने, आलोचनात्मक विचार एवं मंथन करने की ताकत को बढ़ावा देना चाहिए। उनके साथ संवाद करना और यह समझाना भी उतना ही ज़रूरी है कि हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी स्क्रीन पर दिखने वाली बनावटी सुंदरता, शोहरत और शान-शौकत वाली छवियों जैसी नहीं होती,और सबसे जरूरी है, 'सामान्य' और 'कुछ कमी' होने के बावजूद प्यार, कौतुहल और असली रिश्तों से परिपूर्ण होना 'यादा अ'छा है। हालांकि, मुझे पक्का नहीं है कि बतौर वयस्क,हम सच में यह ज़रूरी काम करने में सक्षम हैं या नहीं। या फिर क्या हम भी - अपनी 9 से 5 बजे काम की एकरसता से उपजी बोरियत के बाद - अपने स्मार्टफोन के आगे समर्पण करना पसंद करते हैं, और इस तरह अपने ब'चों के साथ गहरा और सार्थक जुड़ाव बनाने में नाकाम रहते हैं?

लेखक समाजशास्त्री हैं।

संपादकीय

एआई शिखर समिट

नई दिल्ली में हो रहा एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन एक पांच दिवसीय वैश्विक आयोजन है, जिसमें 15 से अधिक देशों के शासनाध्यक्ष और 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। दो लाख से अधिक पंजीकरण के साथ, यह सम्मेलन भविष्य पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य एआई को जिम्मेदार, टिकाऊ और समावेशी तकनीक बनाना है। इसमें एआई के दुरुपयोग और चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श होगा, ताकि तकनीक का लाभ सभी तक पहुंचे और विषमता न बढ़े। नई दिल्ली में शुरू हो रहे एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन की महत्ता केवल इसलिए नहीं है कि यह एक पांच दिवसीय वैश्विक आयोजन है। इसका महत्व इसलिए भी है, क्योंकि इसमें 15 से अधिक देशों के शासनाध्यक्षों के साथ 50 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधिमंडल हिस्सा ले रहे हैं। विश्व भर के एआई विशेषज्ञ एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की हिस्सेदारी इस सम्मेलन के आकर्षण को और बढ़ा रही है। इस आयोजन के प्रति दिलचस्पी को इससे समझा जा सकता है कि दो लाख से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। एक तरह से यह सम्मेलन जी 20 शिखर सम्मेलन से भी अधिक प्रभावशाली एवं विश्व का ध्यान अपनी ओर खींचने वाला हो सकता है। चूंकि यह भविष्य पर केंद्रित एक व्यापक सम्मेलन है, इसलिए यह आशा की जाती है कि इसके जरिये एआई को एक जिम्मेदार, टिकाऊ और समावेशी तकनीक के रूप में विकसित एवं विस्तारित करने पर सहमति बनेगी। ऐसा होना भी चाहिए, क्योंकि विश्व भर में एआई का प्रभाव और उसका बाजार तेजी से बढ़ रहा है। जीवन के हर क्षेत्र में एआई का प्रभाव बढ़ता हुआ दिख रहा है। यह सर्वथा उचित है कि इस सम्मेलन में एआई की चुनौतियों से निपटने पर भी विचार-विमर्श होगा, लेकिन बात तब बनेगी जब उससे निपटने के किसी प्रभावी तंत्र पर सहमति भी बनेगी। यह सहमति इसलिए आवश्यक है, क्योंकि फिलहाल एआई पर चंद बड़े राष्ट्रों का ही वर्चस्व कायम है। यदि इस तकनीक का प्रसार अविकसित एवं निर्धन देशों तक नहीं पहुंचता तो इससे दुनिया में विषमता और अधिक बढ़ेगी ही। एआई का उपयोग समावेशी, नैतिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो, इसके लिए मेजबान भारत के साथ-साथ सभी देशों को प्रयत्न करने होंगे। तकनीक के संदर्भ में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि प्रत्येक तकनीकी विकास अपने साथ कुछ विसंगतियां एवं खतरे भी लाता है। एआई के साथ तो ऐसा कुछ अधिक ही है। इसके दुरुपयोग के मामले बढ़ते चले जा रहे हैं। नि-संदेह एआई विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी साबित हो रही है, लेकिन उसका दुरुपयोग जिस तरह बढ़ रहा है, उससे उपयोगकर्ताओं के बीच उसके प्रति विश्वसनीयता और भरोसे का संकट पैदा हो रहा है। यह आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है कि एआई का दुरुपयोग रोकने की जिम्मेदारी संबंधित कंपनियों पर डाली जाए और इसके लिए उन्हें जवाबदेह भी बनाया जाए। एआई अपने साथ जो चुनौतियां लेकर आई है, उनमें एक यह भी है कि उसके कारण कई परंपरागत नौकरियां खत्म हो रही हैं। नि-संदेह यह तकनीक परंपरागत नौकरियों को खत्म करने के साथ नई नौकरियां का सृजन भी कर रही है। एक तरह से एआई चुनौतियों के साथ अवसर भी है। भारत को इस अवसर को भुनाने के लिए अपने लोगों को एआई के उपयोग के प्रति सक्षम बनाने के लिए और अधिक सक्रियता दिखानी होगी।

भविष्य के जलवायु समझौतों के लिए मार्गदर्शक दस्तावेजः क्योटो प्रोटोकॉल

(लेखक- सुनील कुमार महला)

पर्यावरणीय दृष्टि से 16 फरवरी का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि 16 फरवरी 2005 को क्योटो प्रोटोकॉल आधिकारिक रूप से लागू हुआ था, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व का पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता था। इसे 1997 में जापान के क्योटो शहर में अपनाया गया था और यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (यूएनएफसीसीसी) के अंतर्गत बनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक (विकसित) देशों द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 1990 के स्तर की तुलना में कम करना था, ताकि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित किया जा सके। वास्तव में आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से प्रभावित है, जिसका प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, तेज शहरीकरण, विकास कार्यों के नाम पर पेड़ों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों (कोयला, पेट्रोलियम, गैस) का अत्यधिक उपयोग, परिवहन, कृषि गतिविधियाँ और प्रदूषण हैं, जिनसे वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। ग्रीनहाउस गैसों जैसे कि कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, जलवाष्प तथा फ्लोरीनयुक्त गैसें आदि वायुमंडल में सूर्य की ऊष्मा को रोककर पृथ्वी का तापमान बढ़ाती हैं, जिसे ग्रीनहाउस प्रभाव कहा जाता है। नवीनतम आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन लगभग 57.7 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य तक पहुँच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2.3त्न अधिक है; इस अवधि में उत्सर्जन वृद्धि में भारत का योगदान सबसे अधिक रहा, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अभी भी वैश्विक औसत से कम है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में लगभग 3 टन प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष, जबकि वैश्विक औसत लगभग 6.4 टन है। कुल उत्सर्जन के मामले में भारत लगभग 4 गीगाटन वार्षिक उत्सर्जन के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है, लेकिन ऐतिहासिक योगदान विकसित देशों से कम है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2024 में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगभग 423-425 पीपीएम तक पहुँच गई, जो औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में लगभग 50त्न अधिक है और जलवायु जोखिम को बढ़ा रही है। क्योटो प्रोटोकॉल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता साझा लेकिन भिन्न जिम्मेदारी का सिद्धांत था, जिसके अनुसार ऐतिहासिक रूप से अधिक प्रदूषण करने वाले विकसित देशों पर अधिक दायित्व डाला गया, जबकि भारत और चीन जैसे विकासशील देशों को शुरुआती चरण में अनिवार्य उत्सर्जन कटौती से छूट दी गई। इस समझौते के अंतर्गत उत्सर्जन व्यापार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) और संयुक्त कार्यान्वयन जैसे नवाचारपूर्ण तंत्र बनाए गए, जिन्हें फ्लेक्सिबल मैकेनिज्म कहा गया और इन्हीं के माध्यम से कार्बन ट्रेडिंग की अवधारणा विकसित हुई, जिससे विकसित देश अन्य देशों में हरित परियोजनाओं या स्वच्छ तकनीक में निवेश करके कार्बन क्रेडिट खरीद सकते थे। भारत ने सीडीएम के तहत बड़ी संख्या में परियोजनाएँ विकसित कीं, जिससे तकनीकी आधुनिकीकरण, विदेशी निवेश और सर्टिफाइड एमिशन रिडक्शन (सीईआर) क्रेडिट के रूप में आर्थिक लाभ मिला तथा भारत वैश्विक कार्बन बाजार का महत्वपूर्ण भागीदार बना। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस समझौते पर हस्ताक्षर तो किए थे, लेकिन इसे अपनी संसद से अनुमोदित नहीं कराया, जिससे इसकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठे, फिर भी इसकी एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने उत्सर्जन की निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन की सख्त वैश्विक प्रणाली विकसित की, जो आज भी अंतरराष्ट्रीय जलवायु व्यवस्था की आधारशिला मानी जाती है। आगे चलकर वैश्विक जलवायु प्रयासों को अधिक व्यापक बनाने के लिए 2015 में पेरिस समझौता अस्तित्व में आया, जिसमें लगभग सभी देशों को जलवायु कार्रवाई के साझा लक्ष्य में शामिल किया गया; संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 2023-2024 में वैश्विक उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर के आसपास है और वर्तमान नीतियों के साथ 1.5एष्ट तापवृद्धि लक्ष्य हासिल करना कठिन दिखाई देता है। भारत ने वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में महत्वपूर्ण लक्ष्य घोषित किए हैं। वर्ष 2030 तक 2005 के स्तर की तुलना में उत्सर्जन तीव्रता में 45त्न कमी, 50त्न बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करना और 2070 तक नेट-जीरो हासिल करना और वर्ष 2025 तक भारत 50त्न से अधिक स्थापित बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त कर चुका है, जो उसकी प्रगति को दर्शाता है। वैश्विक स्तर पर क्योटो प्रोटोकॉल का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन इसकी सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इसने दुनिया को सामूहिक पर्यावरणीय कार्रवाई की दिशा दिखाई, प्रदूषक भुगतान करे सिद्धांत को व्यवहार में लागू किया और भविष्य की जलवायु नीतियों की मजबूत नींव रखी; सरल शब्दों में कहें तो आज जब दुनिया नेट-जीरो की बात करती है, तो उसकी जड़ें कहीं न कहीं क्योटो की उसी ऐतिहासिक पहल में निहित हैं। अंत में यही कहूंगा कि आज के संदर्भ में क्योटो प्रोटोकॉल ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने पहली बार विकसित देशों पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटाने के कानूनी लक्ष्य तय किए ।हालांकि, अब वैश्विक जलवायु नीति का केंद्र पेरिस समझौता बन चुका है, फिर भी क्योटो प्रोटोकॉल ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नींव रखी ।इस समझौते के कारण कार्बन बाजार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) जैसे तंत्र विकसित हुए, जिनसे विकासशील देशों को भी लाभ मिला ।आज जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों के बीच यह समझौता दुनिया को उत्सर्जन नियंत्रण की जिम्मेदारी याद दिलाता है। संक्षेप में, क्योटो प्रोटोकॉल आधुनिक वैश्विक जलवायु नीतियों का आधार माना जाता है। (सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड ।मोबाइल 9828108858)

प्रभु भक्ति में बीते समय

यह भौतिक जगत प्रकृति के गुणों के चमत्कार के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चेतना कृष्ण कार्य में लगाए। कृष्णकार्य भक्तियोग के नाम से विख्यात हैं। इसमें न केवल कृष्ण अपितु उनके विभिन्न पूर्णांश भी सम्मिलित हैं- यथा राम तथा नारायण। कृष्ण के असंख्य अंश हैं, जो उनके किसी भी रूप या पूर्णांश की सेवा में प्रवृत्त होता है, उसे दिव्य पद पर स्थित समझना चाहिए। कृष्ण के सारे रूप पूर्णतया दिव्य और सच्चिदानन्द स्वरूप हैं। ईश्वर के ऐसे रूप सर्वशक्तिमान तथा सर्वज्ञ होते हैं और उनमें समस्त दिव्यगुण पाये जाते हैं। अत- यदि कोई कृष्ण या उनके पूर्णांशों की सेवा में दृढ़संकल्प के साथ प्रवृत्त हो तो (यद्यपि प्रकृति के गुण जीत पाना कठिन है) वह उन्हें सरलता से जीत सकता है।

कृष्ण की शरण ग्रहण करने पर प्रकृति के गुणों का प्रभाव लांघा जा सकता है। कृष्णभावनामृत या कृष्ण-भक्ति में होने का अर्थ है, कृष्ण के साथ समानता प्राप्त करना। भगवान कहते हैं कि उनकी प्रकृति सच्चिदानन्द स्वरूप है और सारे जीव परम के अंश हैं। जीव अपनी आध्यात्मिक स्थिति में स्वर्ण के समान या कृष्ण के समान गुण वाला होता है। किन्तु व्यष्टित्व का अन्तर बना रहता है अन्यथा भक्तियोग का प्रश्न ही नहीं उठता।

भक्तियोग का अर्थ है कि भगवान और भक्त के बीच प्रेम का आदान-प्रदान चलता रहता है। अतएव भगवान में और भक्त में दो व्यक्तियों का व्यष्टित्व वर्तमान रहता है, अन्यथा भक्तियोग का कोई अर्थ नहीं है। यदि कोई भगवान जैसे दिव्य स्तर पर स्थित नहीं है, तो वह भगवान की सेवा नहीं कर सकता है। उदाहरणार्थ, राजा का निजी सहायक बनने के लिए कुछ योग्यताएं आवश्यक हैं। इस तरह भगवत्सेवा के लिए योग्यता है कि ब्रह्म बन भौतिक कल्मष से मुक्त हुआ जाय। कहा गया है ब्रह्मैव सन्ब्रह्माप्येति। अर्थात मनुष्य को ब्रह्म से एकाकार हो जाना चाहिए। लेकिन ब्रह्मत्व पाने पर मनुष्य व्यष्टि आत्मा के रूप में अपने शात ब्रह्म-स्वरूप को खोता नहीं है।

विचार मंथन

भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा एआई कैपिटल?

(लेखक- सनत जैन)

भारत की राजधानी दिल्ली में सोमवार को दुनिया की सबसे बड़ी एआई समिट का आयोजन शुरु हो गया है। यह आयोजन 5 दिन तक चलेगा। इस समिट में शामिल होने के लिए दुनिया भर के 100 से अधिक कंपनियों के सीईओ, 20 राष्ट्राध्यक्ष तथा 135 देश के डेलिकेट शामिल हो रहे हैं। इस समिट में भारत की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कई मंत्री शामिल होने जा रहे हैं। अभी तक जो जानकारी मिल रही है, उसके अनुसार तीन लाख से अधिक लोगों ने समिट में आने के लिए पंजीयन कराया है। एआई का उपयोग बड़े पैमाने पर हेल्थ, कृषि और शिक्षा के क्षेत्र में होने जा रहा है। इसके अलावा सर्विस सेक्टर में भी एआई तकनीकी पर आधारित रोबोट इत्यादि भी बड़े पैमाने पर अगले कुछ वर्षों में देखने को मिलेंगे। एआई तकनीकी के माध्यम से दुनिया एक नए बदलाव की दिशा की ओर आगे बढ़ती हुई दिख रही है। इसके परिणाम अच्छे होंगे, या बुरे यह कहना मुश्किल है। जिस तरह से 1993 में वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से सारी दुनिया में एक आर्थिक क्रांति की लहर पैदा की गई थी। कर्ज लेकर विकास करने और खर्च करने की नई प्रवृत्ति दुनिया के देशों और उनके नागरिकों के बीच में फैलाई गई। एक नये बाजारबाद की परिकल्पना को साकार किया गया। दुनिया के सभी देशों ने कर्ज लिया विकास की दौड़ में शामिल हो गए। वहीं आम नागरिकों को भी बैंकों और एनएफसी कंपनियों के माध्यम से कर्ज देकर उन्हें बाजारबाद की ओर धकेला गया। आज उसके दुष्परिणाम सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रहे हैं। सभी देशों की सरकारें भारी कर्ज से लदी हुई हैं। संस्थाओं के ऊपर भी भारी कर्ज हैं। इसी तरीके से दुनियाभर के आम नागरिक भी कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। ब्याज और किस्त का बोझ लगातार बढ़ता चला गया। विकास की जो परिकल्पना की गई थी, उसमें अब कुठाराघात होना शुरू हो गया है। सारा विश्व उधार की अर्थव्यवस्था को लेकर संकट में आ गया है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम आदमी का जीवन दूभर हो गया है। इसी दौर में एआई और डिजिटल तकनीकी के माध्यम से जो नए-नए प्रयोग किये जा रहे हैं, इसके सुखद परिणाम या दुष्परिणाम होंगे, इसकी चर्चा नहीं हो रही है। दुनिया के सभी देशों में एआई को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। क्लासरूम स्मार्ट होंगे, यहां पर शिक्षकों की जरूरत नहीं होगी। स्मार्ट क्लासों में डिजिटल उपकरण और एआई की सहायता से स्कूलों और कॉलेज में बच्चों को पढ़ाया जाएगा। इसी तरह कृषि के क्षेत्र में जिन कामों के लिए भारी संख्या में मजदूरों को लगाया जाता था, उस काम को अब बहुत कम समय में डिजिटल और एआई तकनीकी की मशीनों के माध्यम से किया जाएगा। रही सही कसर सर्विस क्षेत्र में जिस तरह से रोबोट, अब मानवों का स्थान लेते चले जा रहे हैं, ऐसी स्थिति में जब यह तकनीकी अपने शबाब पर होगी, तो लोगों को कैसे रोजगार या मजदूरी से जोड़ा जा सकेगा, इसको लेकर कहीं कोई चर्चा नहीं हो रही है। अभी एआई तकनीकी का आगमन पूरी तरह से नहीं हुआ है। इसके बाद भी भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। लोगों के ऊपर कर्ज है, उनकी क्रय शक्ति लगातार घटती चली जा रही है। ऐसी स्थिति में यदि उन्हें रोजगार भी नहीं मिलेगा, तो सामाजिक व्यवस्था को कैसे नियंत्रित किया जा सकेगा। इस पर कोई चर्चा कहीं पर भी नहीं हो रही है। सभी जगह एआई से जुड़ी तकनीकि के माध्यम से कौशल और प्रशिक्षण को बढ़ाने की बात की जा रही है। सभी क्षेत्रों को तकनीकी से जोड़ा जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे क्षेत्रों में जहां पर बड़े पैमाने पर मानव संसाधन का उपयोग होता है। सर्विस के क्षेत्र में भारत सहित दुनियाभर के करोड़ों लोगों को रोजगार मिलता था। अब उन सारे कामों के लिए एआई तकनीकी डिजिटल मशीनी उपकरणों द्वारा काम कराया जाएगा। ऐसी स्थिति में जो मानव प्रजाति होगी, उसका गुजारा किस तरह से होगा, इस विषय पर दुनिया के किसी भी देश में कोई चर्चा नहीं हो रही है। 1993 में वैश्विक व्यापार संधि के तहत उधार की आर्थिक व्यवस्था का जो खेल विश्वव्यापी खेला गया था, उसमें अमीर और अमीर होते चले गए, गरीब और गरीब होते चले गए। इसका लाभ गिने चुने पूंजीपतियों को मिला। जिसके कारण दुनिया के सभी देश वर्तमान में महंगाई बेरोजगारी और अन्य समस्याओं के कारण अपनी ही जनता के साथ लड़ते हुए दिख रहे हैं। अब एआई का जो नया शिगुफा आया है वह दुनिया की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक व्यवस्था में किस तरह का असर डालेगा, इसकी चिंता किसी को नहीं है। लगता है कि हम एक बार फिर आदम युग की ओर आगे बढ़ रहे हैं। जहां पर अपने अलावा और किसी के अस्तित्व की नहीं सोचते हैं। सामाजिक एवं मानवीय विकास के लिए अब हमारी कोई प्रतिबद्धता और नैतिकता नहीं बची है। आर्थिक और भौतिक संसाधनों ने हमें मशीनों की तरह असंवेदनशील बना दिया है। समय के साथ परिवर्तन होते हैं, परिवर्तन के साथ समन्वय बनाए रखना जरूरी होता है। जिस तरह से एआई को लेकर बिना सोचे-समझे सारी दुनिया आगे बढ़ रही हैं, इस दिशा में चिंतन की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का चीनी निर्यात फरवरी तक 2 लाख टन के पार

मुंबई। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) के अनुसार भारत में चीनी निर्यात पर सरकार का नियंत्रण बना हुआ है। मिलों के बीच आनुपातिक कोटा वितरित किया जाता है। हाल ही में अतिरिक्त पांच लाख टन निर्यात कोटा भी मंजूरी दी गई है, जिससे कुल स्वीकृत निर्यात 20 लाख टन हो गया है। फरवरी तक भारत ने कुल 2,01,547 टन चीनी का निर्यात किया। इसमें सफेद चीनी का हिस्सा 1,63,000 टन और परिष्कृत चीनी का 37,638 टन रहा। 2025-26 विपणन वर्ष में भारत का चीनी उत्पादन 13 फीसदी बढ़कर 2.96 करोड़ टन रहने का अनुमान है। एआईएसटीए ने नई दो-स्तरीय कोटा प्रणाली का स्वागत किया, जिससे वास्तविक निर्यात करने वाली मिल को गैर-निष्क्रिय मिलों से कोई प्रीमियम नहीं देना पड़ेगा।

रेलवे का फैसला: एसी फर्स्ट और सेकंड एसी कोचों में स्टाफ आरक्षण खत्म

- यात्रियों को मिलेगी ज्यादा सीटें, वेटिंग लिस्ट वाले यात्री कंफर्म टिकट पा सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने राजधानी, दुरंतो और अन्य प्रीमियम ट्रेनों के एसी फर्स्ट और सेकंड एसी कोचों में ऑन-बोर्ड स्टाफ के आरक्षित सीटों को खत्म कर दिया है। अब महंगी सीटें सीधे यात्रियों के लिए उपलब्ध होंगी, जिससे वेटिंग लिस्ट वाले यात्री कंफर्म टिकट पा सकेंगे। हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए स्प्रेड मॉडल लागू हुआ है। उन्हें केवल थर्ड एसी या स्लीपर में 4 साइड लोअर सीटें मिलेंगी। पेंट्री कार वाले स्टाफ को अब पूरी ड्यूटी पेंट्री कार में ही करनी होगी, जबकि पेंट्री कार नहीं होने पर उन्हें केवल 2 सीटें दी जाएंगी। रेलवे का अनुमान है कि हर ट्रेन में 4-6 सीटें अब यात्रियों के लिए खुलेंगी, जिससे प्रतिदिन लाखों रुपये का अतिरिक्त राजस्व होगा। आरक्षित सीटों का दुरुपयोग और अनाधिकृत यात्रा की समस्या भी कम होगी। साल 2016 और 2018 के पुराने सर्कुलर रद्द कर दिए गए हैं। यह नया नियम रेलवे के पैसेंजर-फ्रेंडली और कमर्शियल मॉडल को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है।

फैक्टल एनालिटिक्स का आईपीओ सुस्त शुरुआत के साथ सूचीबद्ध

- शेयर तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । कृत्रिम मेधा (एआई) समाधान प्रदाता फैक्टल एनालिटिक्स ने सोमवार को अपने आईपीओ के बाद शेयर बाजार में धीमी शुरुआत की। कंपनी का आईपीओ 2,834 करोड़ रुपए का था, जिसमें 1,023.5 करोड़ रुपए के नए शेयर और 1,810.4 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। मूल्य दायरा 857-900 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था। अंतिम दिन आईपीओ 2.66 गुना सब्सक्राइब हुआ। एनएसई पर शेयर 876 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य 900 रुपए से 2.67 फीसदी कम है। बाद में इसमें और गिरावट आई और यह 855.55 रुपए पर पहुंच गया। बीएसई पर शेयर 900 रुपए प्रति शेयर के स्तर पर सपाट शुरुआत के साथ खुला। एनएसई पर कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,839.73 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने बताया कि आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल अपनी अनुषंगी 'फैकल यूएसए' में निवेश, कर्ज का पूर्व-भुगतान, भारत में नए कार्यालय, अनुसंधान एवं विकास, फैक्टल अल्फा के तहत विपणन, अधिग्रहण और अन्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के गमछे से चमकी बुनकरों की किस्मत

बिहार के करघों पर बरसे करोड़ों के ऑर्डर

नई दिल्ली ।

बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम और ओडिशा में गमछा पारंपरिक पहचान का प्रतीक है। गया जिले के पटवा टोली में लाखों गमछे बनाए जाते हैं। पिछले साल विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली में गमछा लहराकर इसे बिहारी अस्मिता से जोड़ा। इसके बाद मांग में अचानक वृद्धि हुई और राजनीतिक दलों ने विशेष रंग के गमछों के ऑर्डर लिए। पटवा टोली में लगभग 35,000 बुनकर काम करते हैं। प्रतिदिन यहां 200 बंडल, यानी करीब 2 लाख गमछे तैयार होते हैं। 80 फीसदी गमछे थोक में 20-30 रुपये में बिकते हैं, जबकि शेष 60-80 रुपये तक के दाम पर जाते हैं। सालाना कारोबार लगभग 125-150 करोड़ रुपये का है। पहले गमछे हथकरघे से बनते थे, लेकिन अब चीन और देसी मशीनों से उत्पादन बढ़ गया है। चीन की मशीनें सस्ती लेकिन जल्दी खराब होती हैं, जबकि देसी मशीनें महंगी लेकिन टिकाऊ। कई बुनकर अब देसी मशीनों को प्राथमिकता दे रहे हैं। बिहार चुनाव के दौरान गमछा कारोबार को राजनीतिक रंग मिला। भाजपा के लिए केसरिया, राष्ट्रीय जनता दल के लिए हरा और जन स्वराज पार्टी के लिए पीले गमछे तैयार किए गए। बंगाल और असम में भी विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर ऑर्डर की योजना

बनाई जा रही है। पटवा टोली का सबसे बड़ा खरीदार पश्चिम बंगाल है, इसके बाद असम, ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश हैं। बिहार में सिर्फ बचे हुए गमछे बिकते हैं। गमछा कारोबार अब सिर्फ पारंपरिक वस्त्र उद्योग नहीं, बल्कि राजनीतिक और व्यावसायिक रणनीति का अहम हिस्सा बन चुका है।

जापान की अर्थव्यवस्था ने दर्ज की 1.1 फीसदी की वृद्धि

तोक्यो। जापान की अर्थव्यवस्था ने 2025 की अंतिम तिमाही में वार्षिक आधार पर 0.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। साल भर में कुल वृद्धि केवल 1.1 फीसदी रही, जो 2022 के बाद सबसे उच्च है, जब देश कोविड-19 महामारी के असर से उबर रहा था। अप्रैल-जून 2025 में जीडीपी में 0.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि जुलाई-सितंबर में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। अक्टूबर-दिसंबर में तिमाही आधार पर अर्थव्यवस्था ने 0.1 फीसदी की मामूली वृद्धि की। लगातार दो तिमाहियों में संकुचन न होने के कारण जापान तकनीकी मंदी से बच गया। अक्टूबर-दिसंबर में निजी उपभोग में 0.4 फीसदी की वृद्धि रही, लेकिन निर्यात में 1.1 फीसदी की गिरावट ने विकास दर को सीमित किया। मंत्रिमंडल कार्यालय का अनुमान है कि निकट भविष्य में जापान की अर्थव्यवस्था औसतन 0.6 फीसदी की दर से बढ़ेगी, जिससे स्थिर लेकिन धीमी वृद्धि जारी रहने की संभावना है।

सोने की कीमतों पर ब्रेक, 1 लाख के नीचे जाने के आसार

नई दिल्ली । सोने की कीमतों में चल रही रिकॉर्ड तेजी पर अब ब्रेक लगता नजर आ रहा है। रूस के एक संभावित कदम और वैश्विक समीकरणों के बदलने से कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले समय में सोना 1 लाख रुपए के नीचे आ सकता है। जनवरी 2026 में भारतीय बाजार (एमसीएक्स) पर सोने ने 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम का ऐतिहासिक स्तर छुआ था। बीते सप्ताह की क्लोजिंग तक कीमतें 1,56,200 रुपए तक गिर गईं, यानी करीब 13.5 फीसदी की गिरावट। अंतरराष्ट्रीय बाजार (कॉमेक्स) पर सोना 5,626.80 से 5,046.30 डॉलर पर आया, लगभग 10.5 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। रूस ने अमेरिकी डॉलर में ट्रेड सेटलमेंट पर वापसी पर विचार करना शुरू कर दिया है। इससे ब्रिक्स देशों की डी-डॉलराइजेशन मुहिम प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस के कदम से अन्य केंद्रीय बैंक भी सोने की आक्रामक खरीद रोक सकते हैं या मुनाफावसूली कर सकते हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि अंतरराष्ट्रीय सोना 3,000 प्रति औंस तक गिर सकता है। भारत में सोने की कीमत 90,000-1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के दायरे में स्थिर हो सकती है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 650, निफ्टी 211 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 650.39 अंक बढ़कर 83,277.15 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.65 अंक ऊपर आकर 25,682.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी वाहन को छोड़कर तकरीबन सभी इंडेक्स बढ़त पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.48 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.11 फीसदी की तेजी रही।

आज निफ्टी वाहन में 0.73 फीसदी और निफ्टी ग्रोसेक्ट 15 में 0.12 फीसदी की गिरावट आई । जबकि निफ्टी बैंक में 1.27फीसदी की बढ़त, निफ्टी एफएमसीजी में 0.82 फीसदी जबकि निफ्टी आईटी में 0.17 फीसदी उछाल आया है। आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल 9 शेयरों में ही गिरावट रही। पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयरों में 4.45 फीसदी तक की बढ़त रही जबकि वहीं, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एम एंड एम और इंफोसिस के शेयरों में 1.44 फीसदी की गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को

7,395.41 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,553.96 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई हालांकि कारोबार बढ़ने के साथ ही रिकवरी दर्ज की गयी। बीएसई सेंसेक्स 262 अंकों की बढ़त के साथ 82,591 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 75 अंकों की तेजी के साथ 25,546 पर कारोबार करता दिखा। निवेशकों की धारणा फिलहाल सकारात्मक है। इस सप्ताह बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों पर रहेगी।

केंद्र सरकार ने हटाया गेहूं-चीनी पर निर्यात प्रतिबंध

- अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अप्रत्याशित रूप से 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी। इससे पहले तीन साल से अधिक समय से निर्यात पर प्रतिबंध था। इसके साथ ही पहले से स्वीकृत 15 लाख टन चीनी के अलावा 5 लाख टन अतिरिक्त चीनी का निर्यात भी खोल दिया गया। सरकारी बयान के अनुसार यह कदम देश में मौजूदा उपलब्धता और मूल्य परिदृश्य का मूल्यांकन कर लिया गया है। गेहूं पर निर्यात प्रतिबंध 13 मई 2022 को लगाया गया था। उस समय घरेलू उत्पादन घट गया था और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक मांग बढ़ गई थी। इससे घरेलू कीमतें बढ़ गईं और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खरीद जोखिम में पड़ गई। अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना है और दोनों सरकार और व्यापारियों के पास भारी भंडार है। 2025-26 सीजन में भारत में गेहूं का उत्पादन लगभग 11.8 करोड़ टन रिकॉर्ड किया गया। 31 मार्च 2026 तक केंद्रीय पूल में स्टॉक 1.82 करोड़ टन अनुमानित है, जबकि बफर स्टॉक आवश्यकता केवल 75 लाख टन। व्यापारियों के पास लगभग 75 लाख टन गेहूं मौजूद है, जो पिछले साल की तुलना में 32 लाख टन अधिक है।

घरेलू कीमतें उत्तर और पश्चिमी बाजारों में 2550-2680 रुपये/क्विंटल हैं, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये/क्विंटल तय किया गया। भारतीय गेहूं की वैश्विक कीमत 270-280 डॉलर/टन, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 197-270 डॉलर/टन है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.73 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसा टूटकर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निकासी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में वैश्विक स्तर पर मामूली वृद्धि और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट का भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.63 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। हालांकि फिर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ पांच पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 96.93 पर रहा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसल से एयरसेल-आरकॉम की वसूली अब खतरे में

- कोर्ट ने स्पष्ट किया, टेलीकॉम कंपनियों को आवंटित स्पेक्ट्रम को कॉरपोरेट परिसंपत्ति नहीं माना जा सकता

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने दूरसंचार क्षेत्र और बैंकिंग उद्योग में नई चिंता पैदा कर दी है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि टेलीकॉम कंपनियों को आवंटित स्पेक्ट्रम को कॉरपोरेट परिसंपत्ति नहीं माना जा सकता, जिसे इनसालवेंसी एंड बैंक्रप्टी कोड (आईबीसी) के तहत पुनर्गठित या बेचा जा सके। इस निर्णय का सीधा असर उन मामलों पर पड़ेगा, जहां दिवालिया प्रक्रिया के तहत बैंकों को अपनी बकाया राशि की वसूली की उम्मीद थी। बैंकरों के अनुसार यह फैसला विशेष रूप से एयरसेल और रिलायंस कम्युनिकेशन (आरकॉम) से जुड़ी दिवालियापन कार्यवाही को प्रभावित करेगा। एयरसेल पर 13,500 करोड़ रुपये से अधिक और आरकॉम पर 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है। एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि स्पेक्ट्रम को सबसे मूल्यवान सुरक्षा माना जाता था, लेकिन अब उसके कॉरपोरेट संपत्ति न माने जाने से वसूली की संभावनाएं काफी घट गई हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले के बाद बैंकों को दूरसंचार कंपनियों को ऋण देते समय उपलब्ध सुरक्षा के स्वरूप का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। यदि पर्याप्त वैकल्पिक सुरक्षा उपलब्ध नहीं होती, तो ऐसे ऋण को असुरक्षित जोखिम के रूप में देखा जा सकता है, जिससे भविष्य में इस क्षेत्र को कर्ज मिलना कठिन या महंगा हो सकता है। करीब 35,000 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही वोडाफोन आइडिया के लिए भी यह फैसला चुनौतियां बढ़ा सकता है। बैंक अभी प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, लेकिन नए कानूनी परिदृश्य में ऋण शर्तें सख्त हो सकती हैं।

जनवरी में थोक मुद्रास्फीति 1.81 फीसदी पर पहुंची

- दिसंबर 2025 में 0.83 और जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत थी

नई दिल्ली ।

देश में जनवरी 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 1.81 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो लगातार तीसरे महीने बढ़ी है। दिसंबर 2025 में यह 0.83 प्रतिशत और जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह मूल धातुओं, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों और वस्त्रों की कीमतों में वृद्धि है। जनवरी में खाद्य वस्तुओं की महंगाई 1.55 प्रतिशत रही, जबकि दिसंबर में 0.43 प्रतिशत थी। सब्जियों की कीमतों में तेज उछाल देखा गया, जनवरी में महंगाई 6.78 प्रतिशत रही। विनिर्मित उत्पादों में महंगाई जनवरी में 2.86 प्रतिशत और गैर-खाद्य उत्पादों में 7.58 प्रतिशत तक बढ़ी। ईंधन एवं बिजली में महंगाई दर 4.01 प्रतिशत रही। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में 2.75 प्रतिशत पर रही। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरों के निर्धारण के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का आधार बनाता है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में

अभी तक नीतिगत दर रेपो में 1.25 प्रतिशत की कटौती है जो अब 5.5 प्रतिशत है।

नेयसा ने 1.2 अरब डॉलर जुटाए, एआई क्लाउड विस्तार की तैयारी

अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर की राशि ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी

नई दिल्ली।

एआई क्लाउड प्लेटफॉर्म नेयसा ने कुल 1.2 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई है। इसमें 60 करोड़ डॉलर की इक्विटी निवेश ब्लेकस्टोन से जुड़े निजी इक्विटी फंडों और सह-निवेशकों द्वारा किया गया है। अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर की राशि ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी। अन्य प्रमुख निवेशक

फंड जुटाने में शामिल होंगे। कंपनी ने फर्म के मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया है। नेयसा भारत में तेजी से बढ़ता हुआ एआई एक्सेलरेशन क्लाउड प्लेटफॉर्म है, जो उद्यमों और सरकारी संस्थाओं को मिशन-क्रिटिकल समाधान देता है। कंपनी को इंडियाएआई मिशन द्वारा अनुमोदित क्लाउड सेवा प्रदाताओं में से एक चुना गया है। नई फंडिंग से कंपनी भारत में 20,000 से अधिक जीपीयू की तैनाती और विस्तार की योजना को साकार करेगी, जिससे देश में एआई क्रांति को मजबूती मिलेगी। नेयसा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की एआई महत्वाकांक्षा के लिए बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन-ग्रेड इन्फ्रास्ट्रक्चर आवश्यक है। नेयसा सॉवरेन कंप्यूट की एग्जीक्यूशन लेयर और एआई रिसर्च इनेबलमेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

नेयसा ने अब तक 5 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। 2024 में सीड राउंड में 2 करोड़ डॉलर और अक्टूबर में सीरीज ए में 3 करोड़ डॉलर जुटाए गए थे।

वित्त वर्ष 27 में बदल सकती है बाजार की तस्वीर

नई दिल्ली ।

सेंट्रम ब्रोकिंग के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ईमेल साक्षात्कार में बताया कि अगले छह महीनों में भारतीय शेयर बाजार के लिए प्रमुख जोखिम तीन हैं। पहला, वैश्विक मुद्रा संकट-अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी या डॉलर में मजबूती उभरते बाजारों के लिए वित्तीय परिस्थितियां कठिन कर सकती है। दूसरा, आय वृद्धि की असमानता-अगर घरेलू मांग और मार्जिन में सुधार उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ, तो बाजार की तेजी सीमित रह सकती है।

तीसरा, भू-राजनीतिक और व्यापार अस्थिरता, जो अल्पकालिक निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगर बाजार ऊपर की ओर बढ़ता है, तो इसका नेतृत्व घरेलू चक्र से आने की संभावना है। वित्तीय क्षेत्र सबसे आगे रहेगा, क्योंकि 2025-26 की तीसरी तिमाही में इसमें मार्जिन बढ़ा, ऋण लागत नियंत्रित रही और परिसंपत्ति गुणवत्ता स्थिर रही। चौथी तिमाही में यह और मजबूत दिख रहा है। इसके अलावा पूंजीगत वस्तुएं और औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर ऑटोमोटिव सेक्टर, इनपुट लागत में कमी और मांग में धीरे-धीरे रिकवरी से सहारा पाएंगे। आईटी शेयरों में हो रही बिकवाली और एआई से संबंधित चिंताएं कुछ ज्यादा हैं। भारतीय आईटी कंपनियां एआई आधारित सौदों को बढ़ावा दे रही हैं और ऑटोमेशन से लाभ मार्जिन बढ़ सकता है। मूल्यांकन उनके पांच साल के औसत से कम है, इसलिए चुनिंदा आईटी शेयरों में निवेश समझदारी भरा हो सकता है।

टाइटन बायोटेक लिमिटेड करेगी स्टॉक स्प्लिट

- 20 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट

मुंबई । बायोटेक कंपनी टाइटन बायोटेक लिमिटेड अपने शेयरों का स्टॉक स्प्लिट करने जा रही है। कंपनी ने 20 फरवरी को एक्स–डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वे स्प्लिट का लाभ प्राप्त करेंगे। कंपनी अपने शेयरों का फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है। इसका मतलब हर 1 पुराना शेयर अब 5 नए शेयरों में बदल जाएगा। कुल निवेश की वैल्यू उसी स्तर पर बनी रहेगी, लेकिन निवेशकों के पास शेयरों की संख्या बढ़ जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार स्टॉक स्प्लिट से शेयर की कीमत कम होगी और इसे खरीदना छोटे निवेशकों के लिए आसान होगा। हालांकि कुल निवेश की कीमत तुरंत नहीं बदलती। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे 20 फरवरी तक अपनी होल्डिंग साफ रखें और स्प्लिट के अनुसार अपने निवेश की योजना बनाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 वर्ल्ड कप: कोलकाता में बड़ा उलटफेर होते-होते बचा, इटली से हांफते हुए जीती इंग्लैंड , सुपर 8 में एंट्री

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में खेले गए टी20 विश्व कप मुकाबले में इंग्लैंड से व्यापक रूप से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह इटली को आसानी से हरा देगी। इटली अपने पहले टी20 विश्व कप में खेल रही थी, इसलिए ज्यादातर लोगों को कम से कम एक प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन की ही उम्मीद थी। हालांकि, हैरी मैनेंटी की अगुवाई वाली टीम के इरादे कहीं बड़े थे। नेपाल पर 10 विकेट की शानदार जीत के बाद, इटली ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी और इतिहास रचने के बेहद करीब पहुंच गई, लेकिन अंततः 24 रनों से हार गई।

हैरी ब्रूक की अगुवाई वाली इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और यूरोपीय टीम के सामने 203 रनों का बड़ा लक्ष्य रखा। उन्होंने सफलतापूर्वक लक्ष्य का बचाव किया और मैच जीत लिया। फिल साल्ट (15 गेंदों में 28 रन) ने तूफानी शुरुआत दी, लेकिन जोस बटलर रन बनाने में नाकाम रहे और ग्रांट स्टीवर्ट के हाथों अपना विकेट गंवाने से पहले सिर्फ तीन रन ही बना पाए। जैकब बेथेल (20 गेंदों में 23 रन) और टॉम बैंटन (21 गेंदों में 30 रन) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया। सैम कुरेन ने दो छक्के लगाकर 25 रन बनाए।

सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विल जैक्स ने सिर्फ 22 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड 200 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा। स्टीवर्ट और कृष्ण कलुगामेज ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जेजे स्मट्स, अली हसन और बेन मैनेंटी ने एक-एक विकेट साझा किया। 203 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, इटली को पहले ही ओवर में दो विकेट का झटका लगा जब जोफ्रा आर्चर ने एंथनी मोस्का और जेजे स्मट्स को शून्य पर आउट कर दिया।

इटली के कप्तान हैरी मैनेंटी ने 11 गेंदों में मात्र 12 रन बनाए और जेमी ओवरटन के हाथों अपना विकेट गंवा दिया। उनके भाई बेन मैनेंटी (25 गेंदों में 60 रन, जिसमें चार चौके और छह छक्के शामिल थे) ने जस्टिन मोस्का (32 गेंदों में 43 रन, जिसमें सात चौके शामिल थे) के साथ चौथे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। स्टीवर्ट की 23 गेंदों में खेली गई 45 रनों की तेज पारी ने इटली को मैच में बनाए रखा, लेकिन इंग्लैंड ने डेथ ओवरों में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए उन्हें 20 ओवरों

में 178 रनों पर रोक दिया। विल जैक्स को उनके मैच-विनिंग प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इटली गुरुवार को इसी मैदान पर वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच खेलेगी।

रोहित और अकरम गर्मजोशी से मिले, सोशल मीडिया में आई तस्वीरें

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को हुए टी20 विश्वकप मुकाबले में जहां भारतीय टीम ने पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखी। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पाक के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम गर्मजोशी से मिले। इस दोनों के बीच काफी अच्छी कैमेस्ट्री नजर आयी। ये दोनो ही गले मिलते देखे गये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। रोहित और अकरम को मैच से पहले बातचीत करते, हाथ मिलाते और गले लगते देखा गया। रोहित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर कोलंबो पहुंचे थे जबकि अकरम कमेंटेटर के रुप में यहां आये है। रोहित भारतीय टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ से भी मिले और उनसे हाथ मिलाया और शुभकामनाएं दीं।

भारत-पाक मैच से पहले रोहित और अकरम आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता के साथ मिलकर टी20 विश्व कप की ट्रॉफी मैदान पर लेकर पहुंचे। इससे पहले दोनों ने दोस्ताना अंदाज में बातचीत की, फोटो खिंचवाई और एक-दूसरे को गले भी लगाया। प्रशंसकों ने इन दोनो दिग्गजों की इस मुलाकात को बेहद पसंद किया है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर भी प्रतिक्रियाएं आयी हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पाक को आसानी से हरा दिया। इस प्रकार भारतीय टीम ने आठवीं बार पाक को हराया।

टी20 विश्वकप : अफगानिस्तान ने यूएई को पांच विकेट से हराकर सुपर आठ की उम्मीदें बनाये रखीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्वकप के ग्रुप डी के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को पांच विकेट से हरा दिया। ये अफगान टीम की इस टूर्नामेंट में पहली जीत है। इस मैच में अफगान टीम ने टॉस जीतकर यूएई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। यूएई ने सोहैब खान 68 और अलीशान शराफू 40 के अच्छे प्रदर्शन से 20 ओवर में 9 विकेट पर 160 रन बनाये। इसके बाद अफगान टीम ने जीत के लिए मिले 161 रनों के लक्ष्य को पांच विकेट खोकर 19.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। यूएई की ओर से मोहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी रही। इब्राहित जादरान 53 ने अच्छी बल्लेबाजी की। वहीं अजमतुल्लाह ओमारजाई 40 रन ने विजयी शॉट लगाया। इस जीत से अफगान टीम के सुपर 8 में पहुंचने की संभावनाएं बरकरार हैं। अब उसे अंतिम लीग मुकाबले में कनाडा को हराना होगा। इस मैच में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने अपना 700 विकेट भी लिया। अब व इस फॉर्मेट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए। राशिद ने मुहम्मद अरफान को आउट करने के साथ ही अपना 700वां विकेट लिया।।

टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट के मामले में वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर डवेन ब्रावो के नाम 631 विकेट जबकि सुनील नरेन के नाम 613 विकेट हैं।

टी20 विश्कप के सुपर आठ में पहुंची भारत और वेस्टइंडीज, तीन टीमें बाहर हुईं

कोलंबो (एजेंसी)। भारत सहित दो टीमें आईसीसी टी20 विश्वकप के सुपर आठ में पहुंच गयी हैं। भारत ने पाकिस्तान को यहां 61 रनों से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी। भारत से पहले वेस्टइंडीज ने सुपर आठ में जगह बनायी थी। वहीं अलग-अलग ग्रुप की 3 टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं, इनमें ओमान, नेपाल और नामीबिया जैसे एसोसिएट देशों की टीमें हैं। ग्रुप डी से हालांकि अभी तक कोई भी टीम न तो बाहर हुई है और न ही सुपर आठ में पहुंची है।

ग्रुप ए से भारतीय टीम अपने पहले 3 मैच जीतने के साथ ही सुपर 8 में पहुंची है। वहीं इस ग्रुप में दूसरे नंबर पर अमेरिका की टीम है, उसने अब तक 4 में से दो मैच जीते हैं जबकि पाकिस्तान तीसरे स्थान पर है उसने 3 में से 2 मैच जीते हैं। नीदरलैंड ने 3 में से एक मैच जीता है जबकि नामीबिया अपने सभी मैच हारकर बाहर हो गयी है।

ग्रुप बी की बात करें तो श्रीलंका की टीम दो मैच जीतने के बाद पहले शीर्ष पर है जबकि दूसरे नंबर पर जिम्बाब्वे की टीम है, उसने भी अब तक दो मैच जीते हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, वह 2 में से एक मैच हारी है। चौथे नंबर पर आयरलैंड ने 3 में से एक मैच ही जीता है। अपने सभी मैच हार कर अंतिम स्थान पर ओमान है। ग्रुप सी की अंक तालिका में वेस्टइंडीज की

टीम नंबर एक पर रहने के साथ ही सुपर 8 में पहुंच गयी है। उसने 3 मैच जीत लिए हैं। इंग्लैंड 3 में से दो मैच जीतकर दूसरे स्कॉटलैंड 3 में से एक मैच जीतकर तीसरे नंबर पर है। इटली की टीम 2 में से एक मैच जीती है, जो चौथे पायदान पर है और नेपाल अपने पहले तीन मैच हारने के बाद बाहर हो गई है।ग्रुप डी में दक्षिया अफ्रीका की टीम 3 मैच जीतकर 6 अंकों के साथ नंबर एक पर है। दो और टीमें उसके करीब हैं पर नेट रन रेट के आधार पर दक्षिण अफ्रीका का सुपर 8 में पहुंचना तय है।

पाकिस्तान की हार के बाद पीसीबी प्रमुख नकवी पर भड़के अख्तर, नाकाबिल लोग देश का क्रिकेट चला रहे

लाहौर । भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप के लीग मुकाबले में पाकिस्तान टीम की करारी हार के बाद पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर भड़क गये । रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम

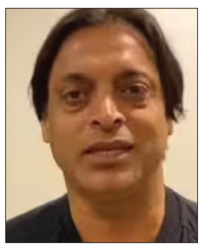

से मशहूर रहे अख्तर ने इस हार के लिए पाक बोर्ड (पीसीबी) चेयरमैन मोहसिन नकवी को जिम्मेदार बताया है । अख्तर ने टीवी पर ही नकवी को जाहिल और नाकाबिल बताया । भारतीय टीम ने इस मैच को आसान से 61 रनों से जीत लिया । मैच के बाद अख्तर से जब उनकी पहली प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने कहा, जिस आदमी को नहीं पता कि कैसे क्रिकेट चलानी है आज वही बोर्ड चेयरमैन बना हुआ है। ऐसे में किस प्रकार टीम चलेगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है ? इसके साथ ही उन्होंने नाम लिए बिना ही बाबर आजम को निशाना बनाया और कहा कि जिसकों सुपरस्टार का तमगा दिय है । वह एक भी मैच नहीं जिता सका है । इस पूर्व तेज गेंदबाज ने साथ ही कहा, दुनिया का सबसे बड़ा अपराध किसी नाकाबिल को कमान देना है । इसका कारण है कि वह देश को तबाह कर देता है । यही हमारे साथ हुआ है । शोएब ने इस बयान में नकवी का नाम तो नहीं लिया पर वहीं पीसीबी प्रमुख है, इसलिए जो कुछ भी शोएब ने कहा है वह तय है कि नकवी के लिए ही है । समय बोर्ड के चेयरमैन वही हैं तो उनका कहना नकवी के लिए ही था ।पाकिस्तान की यह टी20 विश्व कप के मैचों में भारतीय टीम के खिलाफ आठवीं हार है । भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक टी20 विश्व कप में 9 मुकाबले खेले गए हैं और इसमें एक बार ही पाक टीक जीत पायी है । पाक टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में बाबर आजम की कप्तानी में जीती थी ।इससे पहले एशिया कप में भी पाक को भारतीय टीम ने हराया था।

अभिषेक के बल्ले से नहीं निकल रहे रन, इस साल चौथी बार शून्य पर आउट हुए

मुम्बई । भारतीय टी20 टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इस साल की शुरुआत से ही खामोश है, पाकिस्तान के खिलाफ अहम मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही आउट हो गये । अभिषेक अब तक टी20 विशकवप में भी रन नहीं बना पाये हैं। अभिषेक ने अब तक इस टूर्नामेंट में दो मेच खेले हैं पर वह एक भी रन नहीं बना पाये हैं । दोनों ही मैचों में वह अपना खाता भी नहीं खो पाये। इससे एक साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले वे भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं ।अभिषेक ने 7 फरवरी को टी20 विश्व कप में डेब्यू किया। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह एक भी रन नहीं बना पाये । इसके बाद दिल्ली के नामीबिया के खिलाफ वह खेल नहीं पाये। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ वापसी करते हएु भी उनसे धमाकेदार पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये जबकि माना जा रहा था कि जिस प्रकार उन्होंने पिछले साल रन बनाये थे ।उसी प्रकार वह इस बार भी बनायेंगे। साल 2026 में यह चौथी बार है, जब अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में खाता नहीं खोल पाये हैं । पिछले 6 मैचों में वह 4 बार शून्य पर आउट हुए हैं । गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड संजू सैमसन का है, जो पिछले साल 2025 में 5 बार शून्य पर आउट हुए हैं । अभिषेक इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे और चौथे मुकाबले में भी शून्य पर ही आउट हो गये थे । कुल मिलाकर अभिषेक शर्मा का टी20 क्रिकेट में पांचवां शून्य है, क्योंकि टी20 क्रिकेट में उनकी शुरुआत ही जीरो के साथ हुई थी । हालांकि, इसके बाद लगातार बड़ी–बड़ी पारियां खेलकर उन्होंनें अपने को साबित किया पर इस बार 7 मैचों में से चार मैचों में वह एक भी रन नहीं बना पाये हैं ।वहीं सैमसन ने पिछले साल 5 पारियों में एक भी रन नहीं बनाया था । अभिषेक चार पारियों में इस बार शून्य पर आउट हुए हैं ।

जिम्बाब्वे से जब-जब हारी है ऑस्ट्रेलिया, भारतीय टीम बनी है विजेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में जिम्बाब्वे ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया हैं। उससे भारतीय प्रशंसकों में उत्साह है और उन्हें लग रहा है कि इस बार भी भारतीय टीम खितेगीजीतेगी। इस कारण एक अजब संयोग हैं जो जिम्बाब्वे की कंगारुओं के खिलाफ जीत से जुड़ा है । इतिहास में दो बार ऐसा हुआ जब ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे से हारी है तो उसका लाभ भारतीय टीम को मिला है। साल साल 1983 के एकदिवसीय विश्वकप जिम्बाब्वे की टीम ने 13 रन से ऑस्ट्रेलिया के हराया था। इसके बाद भारतीय टीम ने विस्ट इंडीज को हराकर पहली बार खिताब जीता था। वहीं साल 2007 के टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने 5 विकेट से ऑस्ट्रेलिया को हराया था। जब भी भारतीय टीम महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में

जीती थी। वहीं इस बार भी जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर पहला उलटफेर किया है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की पूरी बल्लेबाजी को सिर्फ 146 रन पर समेट दिया। इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए सुपर 8 में में पहुंचना तक कठिन हो गया है। वह ग्रुप बी की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गयी हैं। 19 साल बाद किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराया है।ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले पांच से ही जिम्बाब्वे के गेंदबाज हावी हो गये। ब्लेसिंग मुजाराबानी ने जोश इंग्लिस को जल्दी आउट कर शुरुआत की, वहीं ब्रैड इवांस ने कैमरून ग्रीन और ट्रैविस हेड को पेवेलियन भेजा था। टिम डेविड भी बिना खाता खोले मुजाराबानी का शिकार बने, जिससे ऑस्ट्रेलिया का मध्यक्रम ध्वस्त हो गया।

खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर–शाहीन की हो सकती है छुट्टी, पाकिस्तान टीम के सूत्र ने दी बड़ी जानकारी

कराची । भारत के खिलाफ कोलंबो में अहम मुकाबले में नाकाम रहने के बाद नामीबिया के खिलाफ टी20 विश्व कप के अगले मैच में खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी की पाकिस्तानी टीम से छुट्टी हो सकती है । पाकिस्तानी टीम प्रबंधन के विश्वस्त सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने भारत से मिली 61 रन से हार के बाद टीम मैनेजर नावेद अकरम चीमा को नाराजगी जता दी है । सूत्र ने कहा, ‘ PCB अध्यक्ष प्रेमदासा स्टेडियम से मैच खत्म होने से पहले ही चले गए क्योंकि पाकिस्तान की हार तय हो चुकी थी ।’ सूत्र ने यह भी कहा कि नकवी ने पीसीबी के एक आला अधिकारी के जरिये मैनेजर को संदेश दिया है कि इस तरह का प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं है । कोच माइक हेसन ने भी ड्रेसिंग रूम में टीम से बात करके कहा कि उन्होंने अपनी क्षमता के अनुरूप नहीं खेला । सूत्र ने कहा, ‘टीम प्रबंधन ने तय किया है कि अब बहुत हो चुका और बाबर आजम तथा शाहीन को आराम देकर सलमान मिर्जा और नसीम शाह या फखर जमां को उतारा जाए ।‘

कैनबरा होटल मामला : पीएसबी ने दिए भुगतान के सबूत, पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में

कराची । पाकिस्तानी हॉकी टीम के लिए आस्ट्रेलिया में होटल बुकिंग के एक करोड़ पाकिस्तानी रूपए से अधिक के भुगतान के सबूत पाकिस्तान खेल बोर्ड (PSB) द्वारा दिए जाने के बाद अब पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में आ गया है । पाकिस्तान हॉकी टीम को सिडनी हवाई अड्डे पर 13 से 14 घंटे इंतजार करना पड़ा क्योंकि कैनबरा की फ्लाइट लेने से पहले पीएचएफ न खिलाड़ियों और अधिकारियों के हवाई अड्डे पर रूकने या खाने का कोई इंतजाम नहीं किया था जिससे पीएचएफ और पीएसबी की काफी आलोचना हो रही थी । FIH प्रो लीग के लिए कैनबरा पहुंचने के बाद पाकिस्तानी टीम के पास होटल नहीं था क्योंकि पीएचएफ ने भुगतान नहीं किया था। लाहौर से आस्ट्रेलिया का 24 घंटे का सफर तय करने के बाद खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ चार सितारा होटल पहुंचे जहां उन्हें बताया गया कि उनके नाम पर कोई बुकिंग नहीं है। खिलाड़ियों को अपने लगैज के साथ कैनबरा में होटल के बाहर लंबा इंतजार करना पड़ा जिसके बाद कैनबरा में रहने वाले पाकिस्तानियों ने सस्ते एयरबीएनबी होटल का इंतजाम किया । अगले दिन पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया से पहला मैच हार गया । PSB ने अब PHF को 28 जनवरी को होटल के इंतजाम के लिए किए गए एक करोड़ और पांच लाख रूपए के चेक की फोटोकॉपी जारी कर दी है । इससे साबित होता है कि क्कस्न्क्कने एयर टिकट और होटल के अलावा दैनिक भत्ते का भी भुगतान कर दिया था । क्कास्न अपनी ओर से कहता रहा कि खिलाड़ियों और अधिकारियों को ऑस्ट्रेलिया में कोई तकलीफ नहीं हुई । वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि क्कास्न अधिकारी आर्थिक मामलों को लेकर विवाद में पड़े हों ।

‘यह कोई बड़ा मैच नहीं है’, टी20 विश्वकप में भारत-पाक मुकाबले पर सौरव गांगुली का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप ए मुकाबले में भारत के अपने कट्टर दुश्मन पाकिस्तान पर 61 रन से जीत दर्ज करने के बाद भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अपने आप होने वाले ‘बड़े मैच’ का आइडिया पुराना हो गया है क्योंकि जो इंटेंसिटी और कॉम्पिटिशन कभी इस मुकाबले को दिखाता था, वह अब वैसा नहीं लगता।

पिछले चैंपियन भारत की पाकिस्तान पर जीत ने सुपर 8 में भी उनकी जगह पक्की कर दी। ईशान किशन के 77 रन ने माहौल बना दिया था और भारत के गेंदबाजों ने यह पक्का किया कि 176 का लक्ष्य हमेशा पहुंच से बाहर रहे जिससे पाकिस्तान 18 ओवर में 114 रन पर आउट हो गया। IANS से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि मौजूदा पाकिस्तान टीम की तुलना उस महान टीम से नहीं की जा सकती जिसमें जावेद मियांदाद और वसीम अकरम जैसे खिलाड़ी थे।

गांगुली ने कहा, ‘अब कोई बड़ा मैच नहीं होता, पहले ऐसे मैच हुआ करते थे। हम पाकिस्तान को जावेद मियांदाद, वसीम अकरम और शाहिद तनवीर की टीम समझने की गलती करते हैं, लेकिन अब वह पाकिस्तान नहीं है।’ रविवार की जीत के साथ भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया है। पाकिस्तान सिर्फ एक बार (2021 में) जीत पाया था।

गांगुली ने कहा, ‘तो मेरे हिसाब से, यह कोई बड़ा मैच नहीं है। मेरे लिए असली बड़े मैच भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, भारत बनाम साउथ अफ्रीका और भारत बनाम इंग्लैंड हैं। टीमों के बीच बहुत बड़ा अंतर है, इसलिए नतीजा कुछ हद तक उम्मीद के मुताबिक है। नतीजे से ज्यादा क्वालिटी में अंतर दिखता है।’

भारत ने एक मैच बाकी रहते सुपर 8 में क्वालिफाई कर लिया है। पाकिस्तान को अब इवेंट के सुपर 8 फेज के लिए अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में नामीबिया को हराना होगा। भारत अपने लीग स्टेज कैंपेन का अंत 18 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के साथ करेगा।

21 फरवरी को मेसी के बिना ही उतरेगी इंटर मियामी

फोर्ट लॉडरडेल । इंटर मियामी को 21 फरवरी को होने वाले मेजर लीग फुटबॉल (एमएलएस) कप के पहले मैच में स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के बिना ही उतरना होगा। मैसी के बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इस मैच तक फिट होने की संभावना नहीं है ।इंटर मियामी की टीम ने कहा है कि मेसी चोटिल और उपचार के दौर से गुजर रहे है। एमएलएस सत्र में लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे मेसी ने पिछले सप्ताह मेंइक्काडोर में अभ्यास सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल दागा था पर दूसरे हाफ के दौरान ही उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था । इस कारण वह मैदान से बाहर आ गये थे । इसी को लेकर इंटर मियामी ने कहा, अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी । वहीं अगर मेसी नहीं खेलते तो ये टीम के लिए करारा झटका होगा । मेसी को क्लब कितन अहम मानना है उसका अंदाजा इसी से होता है कि पिछले अक्टूबर में इंटर मियामी ने उनके साथ अनुबंध को तीन साल के लिए बढ़ा दिया था ।

संक्षिप्त समाचार

वेनेजुएला में तेल बिक्री एक अरब डॉलर पार, अमेरिका में ही जमा होगी राशि

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने पुष्टि की है कि वेनेजुएला के कच्चे तेल की बिक्री से होने वाली आमदनी अब एक अरब डॉलर से अधिक हो चुकी है और आगे से यह रकम कतर में बनाए गए अस्थायी खाते में नहीं, बल्कि सीधे अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट द्वारा नियंत्रित खाते में जमा की जाएगी। यह बदलाव ऐसे समय आया है, जब ट्रंप प्रशासन ने एक सैन्य कार्रवाई में पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद वेनेजुएला की तेल बिक्री पर सीधा नियंत्रण कर लिया है। क्रिस राइट ने एक साक्षात्कार में बताया कि शुरुआत में लगभग 500 मिलियन डॉलर की तेल बिक्री राशि कतर में खोले गए एक खाते में जमा की गई थी, जिस पर पूरे समय अमेरिकी सरकार का नियंत्रण था। डेमोक्रेट सांसदों ने पूरी व्यवस्था की पारदर्शिता और वैधता पर सवाल उठाए हैं। सीनेटर चक शूमर (डी-न्यूयॉर्क) और एडम शिफ (डी-कैलिफोर्निया) ने गुरुवार को ऐसा कानून पेश किया है, जिसके तहत गवर्नमेंट अकाउंटेबिलिटी ऑफिस को कतर खाते का स्वतंत्र ऑडिट करने का निर्देश दिया जाएगा। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार, शुक्रवार को प्रशांत महासागर में स्थित वानुअतु के उत्तरी तट पर 6.32 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी की गहराई पर था। शक्तिशाली झटकों के बावजूद, प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने राहत की खबर दी कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप के कारण किसी भी जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। वानुअतु रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में स्थित है।

इंडोनेशिया में 23 फीट का दुनिया का सबसे लंबा सांप, वजन 213 पाउंड, इंसान पर हमले के मामले दुर्लभ

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप में मिले एक विशालकाय मादा रेटिकुलेटेड पाइथन ने वन्यजीव विज्ञान की दुनिया में नया अध्याय जोड़ दिया है। इस सांप का नाम रखा गया है इबु बैरोन, जिसका स्थानीय अर्थ भव्य या महारानी जैसी मादा माना जाता है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसे आधिकारिक तौर पर दुनिया की अब तक सत्यापित रूप से मापा गया सबसे लंबा जंगली सांप घोषित किया है। इसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच और वजन 213 पाउंड दर्ज किया गया है। नेशनल ज्योग्राफिक की रिपोर्ट के अनुसार इस ऐतिहासिक खोज के पीछे हैं खोजकर्ता और नेचुरल हिस्ट्री फोटोग्राफर राडू फ्रेंटिउ, जो पिछले दो दशकों से बाली में रह रहे हैं। बड़े सांपों से उनका पहले भी सामना होता रहा है, लेकिन इबु बैरोन ने उन्हें भी स्तब्ध कर दिया। उन्होंने कहा मैंने अपने जीवन में इतना बड़ा सांप कभी नहीं देखा। यह सांप आसानी से एक बछड़े को बल्कि शायद एक वयस्क गाय को भी निगल सकता है। पूरे इंडोनेशिया में जंगल कटने और शिकार घटने से बड़े सांप इंसानी इलाकों के करीब आ रहे हैं। रेटिकुलेटेड पाइथन जहरीले नहीं होते, लेकिन उनकी ताकत उन्हें खतरनाक शिकारी बना देती है। वे मवेशियों को मार सकते हैं और दुर्लभ मामलों में इंसानों पर भी हमला कर चुके हैं। डर के चलते इन्हें अक्सर मार दिया जाता है। स्थानीय संरक्षणवादी बुडी पुरवांतो ने खबर फैलते ही इबु बैरोन को बिकने या मारे जाने से बचाया और अपनी जमीन पर अस्थायी शेल्टर बनाया। फिलहाल वह वहां अन्य बचाए गए सांपों के साथ रह रही है। उसे जंगल में वापस छोड़ना जोखिम भरा माना गया, क्योंकि बड़े शिकार अब दुर्लभ हैं।

युवराज पहलवी की अपील पर म्यूनिख में जुटे 2.5 लाख लोग, ईरान पर बढ़ रहा चौतरफा दबाव

म्यूनिख, एजेंसी। जर्मनी के म्यूनिख शहर में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन के दौरान ईरान की सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन हुआ। पुलिस के मुताबिक, इस विरोध प्रदर्शन में करीब 2,50,000 लोग शामिल हुए। यह रैली ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी की उस अपील का नतीजा थी, जिसमें उन्होंने तेहरान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने की मांग की थी। म्यूनिख की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों ने ढोल बजाकर और सरकार बदलने के नारे लगाकर विरोध किया। यह प्रदर्शन पहलवी के 'ग्लोबल डे ऑफ एक्शन' का हिस्सा था, जिसका मकसद ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को अंतरराष्ट्रीय समर्थन दिलाना है। ऐसी ही रैलियों की अपील लॉस एंजिल्स और टोरंटो में भी की गई थी। प्रदर्शन में लोग 1979 की क्रांति से पहले वाले ईरान के झंडे लहरा रहे थे, जिन पर शेर और सूरज के निशान बने थे। एक मीडिया वार्ता में रेजा पहलवी ने चेतावनी दी कि अगर दुनिया के लोकतांत्रिक देश ईरान में हो रहे दमन पर चुप रहे, तो वहां और भी मौतें होंगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस खतरे के समय में दुनिया ईरान के लोगों के साथ खड़ी होगी? उन्होंने कहा कि अगर ईरानी सरकार टिकी रहती है, तो यह दुनिया के हर तानाशाह को संदेश देगा कि लोगों को मारकर सत्ता बचाई जा सकती है।

आरोप- पुतिन ने अपने विरोधी को एपिबैटिडीन जहर देकर मारा

इससे पहले लकवा फिर दर्दनाक मौत होती है, दक्षिण अमेरिकी मेंढक में मिलता है

मॉस्को, एजेंसी। यूरोप के पांच देशों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनके विरोधी एलेक्सी नवलनी को 'एपिबैटिडीन जहर' देकर मारने का आरोप लगाया है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और नीदरलैंड ने कहा है कि यूरोप की लैब में नवलनी के शरीर के नमूनों की जांच में एपिबैटिडीन पाया गया। ये जहर रूस में प्राकृतिक रूप से नहीं मिलता। इन देशों ने कहा कि रूस के पास यह जहर देने के साधन, मकसद और मौका तीनों थे। उन्होंने रूस के खिलाफ केमिकल वेपन्स कन्वेंशन के उल्लंघन की शिकायत करने की बात कही है। नेशनल ज्योग्राफिक के मुताबिक, ये जहर दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले जहरीले डार्ट मेंढकों की त्वचा में मिलता है। यह जहर पहले शरीर को लकवाग्रस्त करता है, फिर सांस लेने में दिक्कत पैदा करता है और आखिर में दर्दनाक मौत हो सकती है।

एक डार्ट मेंढक का जहर 10 लोगों को मार सकता है : डार्ट मेंढक करीब दो इंच लंबे होते हैं, लेकिन उनके शरीर में इतना जहर होता है कि वह लगभग 10 वयस्क लोगों को मार सकता है। इन मेंढकों की त्वचा से निकाले जाने वाले जहर को एपिबैटिडीन कहा जाता है। यह एक न्यूरोटॉक्सिन है, यानी ऐसा जहर जो सीधे नर्व सिस्टम पर असर करता है। इसे एक रासायनिक हथियार के रूप में भी जाना जाता है। डार्ट मेंढक का जहर धरती के सबसे घातक जहरों में गिना जाता है। यह मॉर्फीन से लगभग 200 गुना ज्यादा ताकतवर है। इससे शरीर को लकवा मार सकता है, सांस लेने में गंभीर दिक्कत पैदा हो सकती है और दर्दनाक मौत होती है। वैसे तो एपिबैटिडीन मेंढकों में प्राकृतिक रूप से मिलता है, लेकिन इसे लैब में भी बनाया जा सकता है। यूरोपीय वैज्ञानिकों को शक है कि इस मामले में इसे लैब में तैयार किया गया था।

नवलनी आर्कटिक की जेल में सजा कर रहे थे : नवलनी की 16 फरवरी 2024 को आर्कटिक की एक जेल में मौत हो गई थी, वो यहां 19 साल की सजा काट रहे थे। वे सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते थे और विरोध प्रदर्शन करते थे। ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा कि रूस नवलनी को खतरे के रूप में देखता था और इस तरह का जहर इस्तेमाल कर उसने दिखाया कि वह राजनीतिक विरोध से कितना डरता है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरो ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि पुतिन सत्ता में बने रहने के लिए बायोलॉजिकल हथियार तक इस्तेमाल करने को तैयार हैं। नवलनी की पत्नी यूलिया नवलनाया ने कहा कि उन्हें पहले दिन से यकीन था कि उनके पति को जहर दिया गया था और अब इसका सबूत मिल गया है। उन्होंने पुतिन को हत्यारा बताते हुए जवाबदेह ठहराने की मांग की। वहीं रूसी अधिकारियों का कहना है कि नवलनी टहलने के बाद बीमार पड़े और उनकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी इन आरोपों को खारिज किया है।

नवलनी को पहले भी जेल जहर देने की कोशिश हुई थी : नवलनी पहले भी 2020 में जहर देने की कोशिश की गई थी। उस वक्त उन्हें 'नोविचोक' नाम का नर्व एजेंट दिया गया था। उन्होंने इसका आरोप क्रेमलिन पर लगाया था, लेकिन रूस ने इससे इनकार किया था। इलाज के लिए उन्हें जर्मनी ले जाया गया था। ठीक होने के बाद जब वे रूस लौटे तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और अपनी जिंदगी के आखिरी तीन साल जेल में बिताए। ब्रिटेन पहले भी रूस पर ऐसे हमलों का आरोप लगाता रहा है। 2018 में इंग्लैंड के सैलिस्बरी शहर में पूर्व रूसी एजेंट सर्गेई स्क्रिपल पर 'नोविचोक' नर्व एजेंट से हमला हुआ था। वे और उनकी बेटी गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। एक ब्रिटिश महिला डॉन स्टर्जेस की भी मौत हो गई थी। ब्रिटेन की जांच में कहा गया था कि इस हमले को हाई लेवल से मंजूरी मिली होगी। इसी तरह 2006 में लंदन में पूर्व रूसी एजेंट अलेक्जेंडर लिट्विनेंको की रेडियोएक्टिव पदार्थ पोलोनियम-210 से मौत हुई थी।

चीन का बड़ा कदम, 53 अफ्रीकी देशों पर मई 2026 से किया जीरो टैरिफ

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने घोषणा की है कि वह 1 मई 2026 से अपने साथ राजनयिक संबंध रखने वाले 53 अफ्रीकी देशों से होने वाले आयात पर जीरो टैरिफ लागू करेगा। सरकारी मीडिया के अनुसार यह कदम अफ्रीका के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और महाद्वीप में अपनी वरीयतापूर्ण व्यापार व्यवस्था का विस्तार करने के मकसद से उठाया गया है। अब तक चीन 33 अफ्रीकी अल्प-विकसित देशों (एलडीसी) के 97 से 98 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच देता था, जिसे 2024 में सभी उत्पादों तक विस्तारित किया गया। नया फैसला लगभग पूरे अफ्रीका पर लागू होगा। केवल इस्वातिनी को इससे बाहर रखा गया है, क्योंकि उसके ताइवान के साथ राजनयिक संबंध हैं। यह कदम ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के अफ्रीकन ग्रोथ एंड ऑपर्च्युनिटी एक्ट के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और यूरोपीय संघ के साथ आर्थिक साझेदारी समझौतों पर तनाव जारी है।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा ने की थी चीन यात्रा : हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने चीन की यात्रा कर व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के व्यापार मंत्री पार्क्स टाउ और चीन

के वाणिज्य मंत्री वांग वेंटाओ के बीच एक गैर-बाध्यकारी रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर हुए। मार्च 2026 तक 'अर्ली हार्वेस्ट एग्रीमेंट' को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है, जिससे दक्षिण अफ्रीकी निर्यात को चीनी बाजार में शून्य-शुल्क पहुंच मिलेगी। जनवरी से अगस्त 2025 के बीच चीन-अफ्रीका व्यापार 15.4 प्रतिशत बढ़कर 222.05 अरब डॉलर पहुंच गया। इस दौरान चीन का अफ्रीका को निर्यात 24.7 प्रतिशत बढ़कर 140.79 अरब डॉलर रहा, जबकि अफ्रीका से आयात केवल 2.3 प्रतिशत बढ़कर 81.25 अरब डॉलर हुआ। परिणामस्वरूप 2025 के पहले आठ महीनों में अफ्रीका का व्यापार घाटा 59.55 अरब डॉलर तक पहुंच गया। अफ्रीका मुख्यतः कच्चे तेल, तांबा, कोबाल्ट और लौह अयस्क जैसे कच्चे संसाधनों का निर्यात करता है, जुलाई 2024 से जून 2025 के बीच अफ्रीका ने चीन से 15,032 मेगावाट सौर पैनल आयात किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 60 प्रतिशत अधिक है।

अल-फाशेर में तीन दिन तक हिंसा में मारे गए 6000 से अधिक लोग, अर्धसैनिक बल ने किए अत्याचार: यूएन की रिपोर्ट

काहिरा, एजेंसी। सूडान के दारफुर क्षेत्र में एक अर्धसैनिक समूह ने अक्तूबर के अंत में तीन दिनों तक अत्यधिक हिंसा की। इसकी भयावहता और क्रूरता हैरान करने वाली थी। इस हिंसा में छह हजार से अधिक लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने यह जानकारी दी है। यूएन का कहना है कि सूडान के अल-फाशेर में रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के हमले में तीन दिनों में कम से कम छह हजार लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने शुक्रवार को रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में कहा गया कि अल-फाशेर शहर पर कब्जा करने के लिए हमले में आरएसएफ बड़े पैमाने पर ऐसे अत्याचारों में शामिल था, जो युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराधों की श्रेणी में आते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा, अल-फाशेर पर आखिरी हमले में आरएसएफ और उसके सहयोगी अरब मिलिशिया की ओर से किए गए मनमाने अपरा दिखाते हैं कि अपराध के लिए सजा न देने से हिंसा के निरंतर चक्र को बढ़ावा मिलता है। अपराधियों को सजा न मिलने हिंसा को मिल रहा बढ़ावा आरएसएफ और उसके

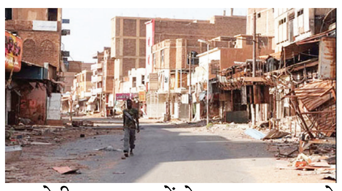

सहयोगी अरब समूहों ने 26 अक्तूबर को अल-फाशेर पर कब्जा कर लिया था। इन अरब समूहों को जनजावीद कहा जाता है। अल-फाशेर दारफुर में सूडानी सेना का आखिरी किला था। 18 महीनों की घेराबंदी के बाद आरएसएफ ने शहर और आसपास के इलाकों में लूटपाट की और जमकर हिंसा फैलाई। रिपोर्ट में सामूहिक हत्या और यौन हिंसा जैसे गंभीर अपराध का जिक्र संयुक्त राष्ट्र की 29 पन्नों की रिपोर्ट में कई खौफनाक अपराधों का विवरण दिया गया। इसमें सामूहिक हत्या, तुरंत फांसी, यौन हिंसा, फिरौती के लिए अपहरण, यातना और दुर्व्यवहार, हिरासत और गुमशुदगी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि कई मामलों में ये हमले नस्ल या समुदाय के आधार पर किए गए थे। आरएसएफ ने इस मामले में ईमेल के जरिये पूछे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया।

मादुरो को पकड़ने के लिए अमेरिका ने एआई का किया था इस्तेमाल, रिपोर्ट में दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए एआई का इस्तेमाल किया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। एंथ्रॉपिक पहला एआई मॉडल डेवलपर था जो गुप्त संचालन के लिए पेंटागन में इस्तेमाल किया गया। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए एआई का इस्तेमाल किया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। एंथ्रॉपिक पहला एआई मॉडल डेवलपर था जो गुप्त संचालन के लिए पेंटागन में इस्तेमाल किया गया। सेना द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल, एआई कंपनियों के लिए बड़ी साख बढ़ाने वाला माना जाता है। हालांकि एंथ्रॉपिक के दिशा-निर्देशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि हिंसा को

बढ़ावा देने, हथियार विकसित करने या निगरानी करने में इसका इस्तेमाल न किया जाए। इसके बावजूद इस ऑपरेशन में उपयोग किया गया। गौरतलब है कि मादुरो और उनकी पत्नी को कराकस से गिरफ्तार किया गया था। इस ऑपरेशन कई जगहों पर बमबारी के बाद अंजाम दिया गया। एंथ्रॉपिक के प्रवक्ता ने बताया कि 'क्लॉड का कोई भी इस्तेमाल, चाहे वह निजी क्षेत्र में हो या सरकार द्वारा हो, हमारी नीतियों के अनुसार होना चाहिए। हमारी नीतियां स्पष्ट हैं कि क्लॉड का उपयोग कैसे किया जा सकता है। हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं।' क्लॉड को तैनात किया गया क्योंकि पेंटागन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों की डेटा कंपनी पेलान्टिर टेक्नोलॉजीज का एंथ्रॉपिक के साथ साझेदारी है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक क्लॉड के उपयोग को लेकर एंथ्रॉपिक की चिंताओं के बाद अमेरिकी अधिकारी बड़ा फैसला ले सकते हैं। एंथ्रॉपिक के बयान के बाद अमेरिकी अधिकारी 200 मिलियन डॉलर तक के अनुबंध रद्द करने पर विचार कर रहे हैं। एंथ्रॉपिक के चीफ एग्जीक्यूटिव डारिओ अमोडेई ने कहाकि एआई के इस्तेमाल में नियम-निर्देशों का सख्ती से पालन होना चाहिए। ताकि एआई से किसी तरह का नुकसान न हो। एंथ्रॉपिक कंपनी के अधिकारियों द्वारा जारी बयानों ने पेंटागन के साथ कांट्रैक्ट की राह में बाधा खड़ी कर दी है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने जनवरी में कहा था कि पेंटागन उन एआई मॉडल्स के साथ कोलैबोरेट नहीं करेगा, जो युद्ध लड़ने की अनुमति नहीं देते। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने एंथ्रॉपिक की चर्चाओं का हवाला देते हुए यह बात कही थी।

'भारत सफल उभरती अर्थव्यवस्था', संयुक्त राष्ट्र प्रमुख बोले-AI शिखर सम्मेलन के लिए सबसे सही जगह

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत की सराहना करते देश को एक बेहद सफल उभरती अर्थव्यवस्था करार दिया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि वैश्विक मामलों में भारत का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। इसलिए एआई पर होने वाला आगामी शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए भारत सबसे सही स्थान है। दरअसल, भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक विशेष साक्षात्कार में गुटेरेस ने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पूरी दुनिया को फायदा होना चाहिए और यह सिर्फ विकसित देशों या दो महाशक्तियों के लिए आरक्षित विशेषाधिकार नहीं बनना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने कहा है कि भारत वैश्विक मामलों में अधिक प्रभाव रखने वाली एक 'बेहद सफल' उभरती हुई अर्थव्यवस्था है और एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए सही जगह है। इंटरव्यू के दौरान एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, 'मैं इस शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत को हार्दिक बधाई देता हूं। यह अत्यंत आवश्यक है कि एआई का विकास हर किसी के लाभ के लिए हो और वैश्विक दक्षिण के देश भी एआई के लाभों का हिस्सा बनें।' बता दें कि 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला यह उच्च स्तरीय कार्यक्रम ग्लोबल साउथ (वैश्विक दक्षिण) में आयोजित होने वाला पहला एआई शिखर सम्मेलन होगा और यह 'लोग, ग्रह और प्रगति' के तीन मार्गदर्शक सिद्धांतों पर आधारित है। गुटेरेस, जो एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा करेंगे, उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य होगा कि एआई केवल सबसे विकसित देशों का विशेषाधिकार हो या केवल दो महाशक्तियों के बीच का विभाजन हो, जो स्पष्ट रूप से उनका अमेरिका और चीन की तरफ इशारा था। गुटेरेस ने कहा कि यह बिल्कुल आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जाति के लाभ के लिए एक सार्वभौमिक उपकरण बनाया जाए।

एआई महाशक्तियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए : गुटेरेस ने स्पष्ट किया कि एआई केवल सबसे विकसित देशों द्वारा नियंत्रित या दो वैश्विक महाशक्तियों के प्रभुत्व वाला उपकरण नहीं बनना चाहिए। सीधे तौर पर नाम लिए बिना, उन्होंने अमेरिका और चीन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एआई के लाभ कुछ ही देशों तक सीमित रहना अस्वीकार्य होगा। इसके बजाय, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक दक्षिण के देशों को भी इस शक्तिशाली तकनीक के लाभों में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उनके अनुसार, एआई एक सार्वभौमिक उपकरण बनना चाहिए जो विश्व स्तर पर विकास, नवाचार और प्रगति का समर्थन करे।

भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 : 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला यह उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन वैश्विक दक्षिण में आयोजित होने वाला पहला एआई शिखर सम्मेलन होगा। इस आयोजन का मुख्य विषय होगाः लोग, ग्रह और प्रगति। विश्व के कई प्रमुख नेता और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अधिकारी इसमें शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा, गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, एडोब के सीईओ शांतनु नारायण और एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई शामिल हैं। गुटेरेस स्वयं चर्चाओं में भाग लेने के लिए नई दिल्ली की यात्रा करेंगे।

अमेरिका में लापता हुए भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया की मौत, 6 दिन बाद पाया गया शव

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के बर्कली में लापता हुए भारतीय छात्र का 6 दिन बाद शव पाया गया है। 22 साल के साकेत श्रीनिवासैया यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफॉर्निया में पोस्ट ग्रैजुएशन के छात्र थे और वह अचानक 9 फरवरी को लापता हो गए थे। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय कॉन्सुलेट ने उनके शव के पाए जाने की पुष्टि की है। मिशन की तरफ से कहा गया. हमें बेहद दुख है कि पुलिस ने बताया है कि साकेत श्रीनिवासैया की मौत हो गई है और उनका शव पाया गया है। हम साकेत के परिवार वालों के लिए संवेदना व्यक्त करते हैं। भारतीय मिशन ने कहा, हम साकेत के परिवार की हर संभव मदद करने को तैयार हैं। स्थानीय प्रशासन के साथ तालमेल के जरिए हम साकेत के पार्थिव शरीर को भारत भिजवाने का प्रबंध कर रहेहैं। हमारा कार्यालय परिवार के साथ सीधे संपर्क में है और सभी औपचारिकताओं के लिए भी हम परिवार के साथ खड़े हैं।

कहां से लापता हो गए थे साकेत : जानकारी के मुताबिक साकेत आखिरी बार बर्कली हिल्स इलाके में देखे गए थे। वह अंजा लेक के पास गए थे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक उनका पासपोर्ट और लैपटॉप पास में ही पाया गया है। कर्नाटक के रहने वाले श्रीनिवासैया ने आईआईटी मद्रास से बीडटेक किया था और आगे की पढ़ाई के लिए वह अमेरिका गए थे। 2025 में ही उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफॉर्निया में ऐडमिशन लिया था। 13 फरवरी को कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव ने विदेश

सचिव विक्रम मिसरी को पत्र लिखा था। इसमें कहा गया है कि साकेत के परिवार से मिली जानकारी के अनुसार, बर्कले पुलिस विभाग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका है। स्थिति की गंभीरता और राज्य में रह रहे उनके परिवार की बढ़ती चिंता को देखते हुए, शालिनी ने विदेश मंत्रालय से इस मामले में हस्तक्षेप और सहायता का अनुरोध किया था। साकेत के रूममेट ने ही सबसे पहले उनके गायब होने की बात सोशल मीडिया पर बताई थी और पुलिस से मदद मांगी थी। साकेत के कमरे में साथ रहने वाले बिनीत सिंह ने कहा कि इस घटना से यहां रहने वाला हर भारतीय स्तब्ध है। उन्होंने कहा, हम प्रशासन के साथ मिलकर साकेत के परिवार को इमर्जेंसी वीजा पर अमेरिका बुलाने का प्रयास कर रहे हैं। बिनीत ने कहा कि 9 फरवरी को लापता होने से पहले साकेत ज्यादा कुछ खाते-पीते नहीं थे। वह अकसर चिप्स खाकर ही रह जाते थे। हालांकि इसके अलावा उनके चहरे पर कोई तनाव नहीं दिखता था। उन्होंने कहा कि 21 जनवरी को भी श्रीनिवासैया ने उन्हें झील के किनारे बुलाया था।

बांग्लादेश में नए पीएम का शपथ ग्रहण, भारत के अलावा 12 देशों को भी भेजा गया है न्योता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के आम चुनवों में बीएनपी को बड़ी जीत मिलने के बाद प्रधानमंत्री समेत पूरे मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण 17 फरवरी को होने जा रहा है। इस समारोह का दिलचस्प पहलू यह है कि यह राष्ट्रीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया जा रहा है जबकि अभी तक शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित होते रहे हैं। समाचारपत्र 'प्रोथोम आलो' और 'इत्तेफाक' में प्रकाशित खबर के अनुसार, समारोह के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन नव-निर्वाचित सांसदों को पद की शपथ दिलाएंगे, जबकि संविधान के अनुसार यह शपथ अध्यक्ष शिरीन शरमिन चौधरी द्वारा दिलाई जानी चाहिए।

इन देशों को भेजा गया है न्योता : बांग्लादेश में प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत-पाकिस्तान समेत 13 देशों को न्योता भेजा गया है। इनमें चीन, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल हैं। बीएनपी चीफ तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। बता दें कि बांग्लादेश ने भारत को न्योता भेजा है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ढाका जाना असंभव ही है। 17 तारीख को ही प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पूर्व निर्धारित बैठक होने वाली है। ऐसे में किसी प्रतिनिधि को ढाका भेजा जा सकता है।

पीएम मोदी का ढाका जाना मुश्किल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तारिक रहमान को सबसे पहले बधाई देने वाले नेताओं में शामिल थे। उनके संदेश के बाद बीएनपी ने कहा, 'बांग्लादेश अपने सभी नागरिकों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, समावेशिता और प्रगतिशील विकास को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपसी सम्मान, एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति

संवेदनशीलता और अपने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के प्रति साझा प्रतिबद्धता के मार्गदर्शन में, भारत के साथ रचनात्मक रूप से जुड़कर अपने बहुआयामी संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।'

शपथ ग्रहण के दौरान कई चुनौतियां : तारिक रहमान के एक प्रमुख सहयोगी ने नाम न उजागर की शर्त पर बताया कि मौजूदा परिस्थितियों ने मामलों को थोड़ा जटिल बना दिया है। उन्होंने कहा, '' पिछली संसद की अध्यक्ष को सांसदों को शपथ दिलानी होती है, लेकिन उन्होंने इस्तीफा दे दिया है और अज्ञात स्थान पर रह रही हैं, जबकि उपाध्यक्ष जेल में हैं। इन परिस्थितियों में राष्ट्रपति संविधान में तय प्रावधान के अनुसार किसी और को शपथ दिलाने के लिए चुन सकते हैं।'' इससे पहले, कैबिनेट सचिव शेख अब्दुर राशिद ने कहा था कि संविधान के अनुरूप राष्ट्रपति नए मंत्रिमंडल को शपथ दिलाएंगे, लेकिन उन्होंने समारोह की तारीख नहीं बताई।

बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच 13वें संसदीय चुनाव को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था। अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के बाद 15 वर्ष से अधिक समय तक शासन करने वालीं शेख हसीना को सत्ता छोड़कर भारत भागना पड़ा था, जिसके बाद अल्पसंख्यकों पर व्यापक हमले भी हुए थे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिद्धू मूसेवाला के माता–पिता की मुहिम का दिखा असर... पुलिस ने एफआईआर दर्ज की

मानसा(एजेंसी)। दिवंगत पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के माता–पिता की इंसाफ की मांग को लेकर शुरू की गई मुहिम अब रंग लाती दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक, मानसा के एसएसपी ऑफिस के बाहर हुए प्रदर्शन के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आकर मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें कि सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह और मां चरण कौर काफी समय से आरोप लगा रहे हैं कि कुछ लोग सिद्धू के काम और कमाई में हेरफेर कर रहे हैं। परिवार ने मूसेवाला के करीबी म्यूजिक प्रमोटर बंटी बैंस और वन डिजिटल एंटरटेनमेंट कंपनी के मालिक शब्बीर मोमिन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। परिवार का कहना है कि वे बीते 6 महीने से लगातार पुलिस के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। आखिर में उन्हें मजबूर होकर मानसा के एसएसपी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है, लेकिन अभी तक आधिकारिक रुप से नहीं बताया गया है कि इसमें कौन सी धाराएं लगाई गई हैं और किन लोगों के नाम हैं।

पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के दौरे पर निकली चुनाव आयोग की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग सोमवार से इन राज्यों का दौरा शुरु करेगा है। पहली विजिट असम में होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में टीम गुवाहाटी लैंड करेगी। आयोग की यहां से वापसी 18 फरवरी को होगी। इसके बाद तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों का दौरा शुरू होगा। इसमें चार राज्यों की विधानसभा का कार्य और पुडुचेरी का जून में खत्म हो रहा है। सबसे पहले 7 मई को बंगाल विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि बीते साल बिहार में चुनावों की घोषणा 6 अक्टूबर 2025 को की गई थी। दो चरणों में हुए बिहार में चुनावी प्रक्रिया 16 नवंबर को खत्म हो गई थी। जबकि बिहार की विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर तक था। यह देखकर इन पांच राज्यों में भी मार्च के पहले सप्ताह के बाद ही चुनावों की घोषणा होने की उम्मीद है। बात दें कि जब भी किसी राज्य में चुनाव होते हैं। इसके पहले चुनाव आयोग की टीम उस राज्य का दौरा करती है। इसका मकसद वहां कानून–व्यवस्था से लेकर शांतिपूर्वक चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए तैयारियों का जायजा लेती है। इसमें तमाम राजनीतिक दलों, पुलिस–प्रशासन और अन्य संबंधित तमाम स्टेक होल्डरों के साथ बैठक करना शामिल होता है। इसमें संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों की संख्या भी पता की जाती है कि वह कितनी बढ़ी या कम हुई हैं। इसके अलावा मतदान के लिए कितने पोलिंग बूथ होने चाहिए ताकि मतदाताओं को वोट देने के लिए अधिक दूर ना जाना पड़े। इन तमाम चीजों का ध्यान रखते हुए यह विजिट की जाती है।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया

मुंबई(एजेंसी)। बॉलीवुड के प्रसिद्ध निर्देशक रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने बड़ी सफलता हासिल की है। मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें फायरिंग करने वाला मुख्य शूटर राजस्थान से पकड़ा गया। अन्य आरोपी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों से हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, फायरिंग की जिम्मेदारी कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शुभम लोनकर ने ली थी। उसने फायरिंग की बात स्वीकार की और रोहित शेट्टी को जान से मारने की धमकी भी दी। जांच में सामने आया कि आरोपियों को मुंबई पहुंचने के बाद भी पैसे भेजे गए थे। प्रारंभिक जांच में 40 हजार रुपये देने की बात सामने आई थी, लेकिन पूछताछ में पता चला कि कुल 51 हजार रुपये दिए गए थे, जिसमें वारदात में इस्तेमाल की स्कूटी की खरीद भी शामिल थी। मुंबई क्राइम ब्रांच ने मामले की गहनता से जांच करने के लिए घटना स्थल पर सीन रिक्रिएट किया और स्कूटी के आने–जाने के रास्तों, आसपास के सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि पैसे अलग–अलग किस्तों में भेजे गए ताकि पुलिस को शक न हो। जांच के दौरान, पुलिस ने रोहित शेट्टी के साथ–साथ अभिनेता रणवीर सिंह के मैनेजर का भी बयान दर्ज किया। पुलिस का मानना है कि यह घटना केवल डराने के उद्देश्य से नहीं की गई थी। मैनेजर को भेजे गए धमकी भरे वॉयस कॉल में रोहित शेट्टी का नाम भी लिया गया था और चेतावनी दी गई थी कि 'यह सिर्फ ट्रेलर है, पूरी फिल्म अभी बाकी है। यह ऑडियो कथित रूप से बिश्नोई गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर का बताया जा रहा है।

क्या दूषित पानी बना काल? पलवल में 15 दिन में 5 बच्चों समेत 12 की मौत

पलवल(एजेंसी)। हरियाणा के पलवल जिले के चायंसा में 15 दिनों में पांच बच्चों समेत कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जिसके चलते दूषित पेयजल और संक्रामक रोगों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जनवरी के आखिर और फरवरी के बीच तक हुई मौतें गंभीर यकृत संबंधी जटिलताओं से जुड़ी थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में वायरल हेपेटाइटिस और पानी के संभावित संदूषण की ओर इशारा मिला है। 31 जनवरी को चायंसा गांव में पीलिया से संबंधित मौतों की पहली रिपोर्ट दर्ज की गई, जिसकी आबादी 5,700 लोग और 865 परिवार हैं। एक दिन बाद ही त्वरित प्रतिक्रिया दल को तैनात किया गया। इसके बाद चिकित्सा शिविर, घर–घर सर्वेक्षण और ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की गई। सात मौतें 27 जनवरी से 11 फरवरी के बीच हुईं। इनमें से चार मौतें तीव्र हेपेटाइटिस या लिवर फेलियर के कारण हुईं। मृतकों की आयु 9 से 65 वर्ष के बीच थी। बाद में रिपोर्ट की गई अन्य मौतों की समीक्षा की जा रही थी। ज्यादातर रोगियों ने अपनी स्थिति बिगड़ने से पहले बुखार, पेट दर्द, उल्टी और पीलिया की शिकायत की थी। बता दें मध्य प्रदेश के इंदौर में पिछले महीने जहरीले पानी से हुई मौत के कुछ हफ्तों बाद इन मौतों की खबरें सामने आई हैं, जिससे पूरे देश में दूषित पेयजल को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पलवल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग और जांच चल रही है। उन्होंने कहा अब तक मृतक के करीबी संपर्कों समेत करीब 1,500 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। करीब 800 बाह्य रोगी परामर्श किए गए हैं और हेपेटाइटिस ए, बी, सी और ई के लिए रक्त के नमूनों की जांच की गई है। 210 लोगों के रक्त विश्लेषण में हेपेटाइटिस बी के दो और हेपेटाइटिस सी के नौ मामले सामने आए। हेपेटाइटिस ए और ई के सभी नमूनों की जांच नेगेटिव आई। तीन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अब तक एकत्र 107 घरेलू जल नमूनों में से 23 गुणवत्ता जांच में विफल रहे, जो जीवाणु संदूषण और अपर्याप्त क्लोरीनीकरण का संकेत देते हैं।

गोरखपुर पहुंचे भागवत ने कहा, समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से

गोरखपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने गोरखपुर दौरे के दौरान सामाजिक सद्भाव सम्मेलन को संबोधित किया। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में प्रमुख नागरिकों और स्वयंसेवकों को संबोधित किया। सम्मेलन से पहले भागवत ने दीप प्रज्वलित कर संघ की 100 वर्षीय यात्रा और 'पंच परिवर्तन' विषय पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से। उन्होंने कहा कि कुछ देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है, जबकि भारत में मानवीय संबंध अपनेपन और आत्मीयता की भावना पर आधारित हैं। भारत को सद्भाव और सामाजिक समरसता का वैश्विक केंद्र बताते हुए उन्होंने कहा कि देश की सभ्यतागत सोच एकता और आपसी जुड़ाव में निहित है। भारत की विविधता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रीति-रिवाजों, पहनावे और परंपराओं में भिन्नता विभाजन का कारण नहीं बनती, क्योंकि हमारी सांस्कृतिक एकता हमें एक सूत्र में बांधती है। हम भारत को माता मानते हैं और एक ही दिव्य चेतना हम सभी में विद्यमान है, जो भिन्न पहचानों के बावजूद हमें एकजुट रखती है।

उन्होंने कहा कि समाज को केवल कानून व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव भी स्थिर बनाए रखता है। संघ के 100 वर्ष पूरे होने को उन्होंने उत्सव नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का अवसर बताया। सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने वर्ष में दो-तीन बार ब्लॉक स्तर की बैठकों के आयोजन का आह्वान किया तथा समुदायों से जातिगत सीमाओं से ऊपर उठकर व्यापक हिंदू समाज के हित में कार्य करने की अपील की।

कश्मीर से हरियाणा तक फैला 'अंसार अंतरिम' नेटवर्क... डॉक्टर और धार्मिक नेता शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में लाल किला ब्लास्ट मामले में साजिश की परतें खुल रही हैं। जांच एजेंसियां लगातार इसमें नए–नए खुलासे कर रही है। बताया जा रहा है कि वे पारंपरिक आतंकी ढांचे से अलग एक कथित 'व्हाइट–कॉलर टेरर' नेटवर्क की तरह काम कर रहे हैं। एनआईए ने बताया कि यह मॉड्यूल 'अंसार इंटरिम' नाम से संचालित हो रहा था। इस मॉड्यूल में पढ़े–लिखे और पेशेवर पृष्ठभूमि वाले लोगों की संलिप्तता सामने आई है। जांच एजेंसियों (एनआईए) के रडार पर इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड 28 वर्षीय डॉक्टर उमर–उन–नबी है। वह कोई मामूली अपराधी नहीं, बल्कि एक पढ़ा–लिखा डॉक्टर है। सूत्रों के अनुसार, उमर 2016 से ही कट्टरपंथी विचारधारा की ओर झुका था। साल 2022 में श्रीनगर में हुई एक गुप्त बैठक के दौरान नबी ने 'अंसार इंटरिम' नामक संगठन की नींव रखी। इस समूह का मकसद पारंपरिक आतंकवाद से अलग, पढ़े–लिखे लोगों का एक ऐसा जाल बुनना था जो सिस्टम की नजरों से बचकर काम कर सके। इस जांच में सबसे चौंकाने वाला मोड़ हरियाणा कनेक्शन है। पता चला है कि इस नेटवर्क ने घातक टीएटीपी जैसे विस्फोटक हरियाणा के गुप्त ठिकानों पर तैयार किए थे। इनका प्लान बेहद खौफनाक था कि एक वाहन–जनित आईईडी के जरिए दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाके को राख में तब्दील करना। बात दें कि मामले में एनआईए ने अब तक कई ऐसी गिरफ्तारियां की हैं जिन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के कान खड़े कर दिए हैं। पकड़े गए लोगों में नामी डॉक्टर और धार्मिक नेता शामिल हैं। यह इसका प्रमाण है कि कट्टरपंथ अब सिर्फ सरहदों या जंगलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों तक पहुंच चुका है।

ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा 9 मार्च को, सरकार बहुमत को लेकर आश्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 9 मार्च को लोकसभा में चर्चा और मतदान हो सकता है। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा, कि बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन इस प्रस्ताव पर बहस कराई जाएगी और उसके बाद वोटिंग होगी।

संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने रविवार को कहा, कि सरकार इस मुद्दे को शीघ्र निपटाना चाहती है ताकि स्पीकर सदन की कार्यवाही सामान्य रूप से संचालित कर सकें और सरकार अपने विधायी एजेंडे पर आगे बढ़ सके। उन्होंने भरोसा जताया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को सदन में पर्याप्त समर्थन प्राप्त है। 542 सदस्यीय लोकसभा में एनडीए के पास 293 सांसदों का समर्थन है और कुछ अन्य दलों के सदस्यों का भी समर्थन मिलने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में सरकार को विश्वास है कि प्रस्ताव पारित नहीं हो पाएगा।

सूत्रों के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन इस राजनीतिक विवाद को लंबा खींचने के पक्ष में नहीं है। माना जा रहा है कि सरकार स्पीकर के प्रति अपना समर्थन स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना चाहती है। हाल ही में सरकार ने बिरला को बांग्लादेश में शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिनिधित्व के लिए भेजने का निर्णय लिया, जिसे राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

उधर विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुटता बनाने की कोशिश में जुटा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे दलों के रुख पर नजर है। कांग्रेस ने कथित तौर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के प्रस्ताव का मुद्दा भी उठाया है, जबकि टीएमसी पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ मुखर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 9 मार्च की बहस सिर्फ संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि सरकार और विपक्ष के बीच शक्ति परीक्षण भी होगी। यदि प्रस्ताव गिरता है तो सरकार इसे अपनी मजबूती के संकेत के रूप में पेश करेगी, जबकि विपक्ष इसे निष्पक्षता और संसदीय परंपराओं के मुद्दे से जोड़कर राजनीतिक संदेश देने की कोशिश करेगा।

अपनी ही पार्टी के नेताओं से नाराज हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर अब अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ नाराजगी जता रहे हैं। उन्होंने इस दौरान तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर, वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा और जयराम रमेश का नाम लिया है। इतना ही नहीं उन्होंने दावा कर दिया कि कांग्रेस केरल विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी। खास बात है कि कांग्रेस नेता अय्यर ने हाल ही में कहा था कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहने वाले है। मणिशंकर के बयान से कांग्रेस ने किनारा किया था।

एक इंटरव्यू में अय्यर ने पार्टी नेता पवन खेड़ा के बयान पर जमकर नाराजगी जाहिर की। इतना ही नहीं उन्हें कठपुतली करार दिया है। उन्होंने कहा, खेड़ा ने दो साल पहले कह दिया था कि मैं कांग्रेस का किसी भी तरह से प्रतिनिधित्व नहीं करता हूं। तब यह नया नहीं है। वह कांग्रेस की कठपुतली हैं, वह प्रवक्ता नहीं है। वह कुंठित आईएएस अफसर हैं, जो यहां आए हैं और बीते दो साल से मुझे गालियां दे रहे हैं। कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि कांग्रेस जीते, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस जीतेगी। क्योंकि कांग्रेस नेता आपस में बंटे हुए हैं। वे वामपंथियों से ज्यादा एक दूसरे से नफरत करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अय्यर ने सांसद थरूर को पाकिस्तान विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि वह (थरूर) अगले विदेश मंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि जयराम रमेश को अपनी नौकरी बचानी है।

दरअसल अय्यर ने एक इंटरव्यू में भरोसा जताया कि माकपा नेता पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहने वाले है। उन्होंने भारत को लेकर महात्मा गांधी के नजरिए को याद किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता ने एक इसतरह के देश की कल्पना की थी, जहां सबसे गरीब भी देश के प्रति अपनापन महसूस करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि यह विडंबनापूर्ण लग सकता है कि इस लक्ष्य की दिशा में सबसे सराहनीय प्रगति करने वाला राज्य केरल है, जहां भारत की मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी का शासन है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इसलिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति में, जिनके पद पर बने रहने का मुझे पूरा विश्वास है, मैं अपनी अपील दोहराता हूं, केरल को देश का सर्वश्रेष्ठ पंचायती राज वाला राज्य बनाने के लिए, राज्य कानून में व्यावहारिक अनुभव, थॉमस आइजैक की अंतर्दृष्टि, मेरे द्वारा अध्यक्षता की गई पांच खंडों वाली रिपोर्ट और वीके रामचंद्रन द्वारा जिला नियोजन पर योजना आयोग द्वारा प्रसारित नोट के आधार पर संशोधन किया जाना चाहिए।

मैं नेहरू और राजीववादी हूं, पर राहुलवादी नहीं

कांग्रेस नेता अय्यर अपने विवादित बयानों से सोमवार को फिर पार्टी को असहज कर दिया। उन्होंने राहुल गांधी को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि वे गांधीवादी, नेहरूवादी और राजीववादी हैं, लेकिन राहुलवादी नहीं हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसा कि वे भूल गए कि अय्यर पार्टी के सदस्य हैं। अय्यर ने डॉ. अंबेडकर की जीवनी का हवाला दिया। आज कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल को इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिली हुई है। पवन खेड़ा जैसे आदमी को पार्टी का आधिकारिक प्रवक्ता बना रखा है। आखिर पार्टी इतनी बड़ी मूर्खता कैसे कर सकती है, वे एक कठपुतली हैं।

अय्यर ने कहा, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कांग्रेस की हालत क्या है। वेणुगोपाल जैसे शख्स को वह जिम्मेदारी दी गई है, जो कभी सरदार पटेल के पास थी। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आखिर इसतरह के दल को कौन वोट देना चाहेगा, जिसमें नेता आपस में लड़ रहे हैं। एक-दूसरे के गले काटने को तैयार हैं। क्या ये चीजें जनता को नहीं पता हैं। अय्यर ने कहा कि एक समय पर वह कांग्रेस भी थी, जब किसी फैसले को माना जाता था। नेहरू पीएम बने, तब सभी ने स्वीकार किया। यदि सुभाष चंद्र बोस की विमान हादसे में मौत नहीं होती, तब वे शायद राष्ट्रपति बनते।

इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के नेता एमके स्टालिन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि स्टालिन ने सूट-बूट की सरकार या फिर वोट चोर गद्दी छोड़ जैसे नारे नहीं दिए। उन्होंने जरूरी मुद्दे उठाकर सरकार बनाई। यही नहीं अय्यर ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का अध्यक्ष यदि किसी नेता को बनना चाहिए, तब वे स्टालिन ही हो सकते हैं। तंज कसते हुए अय्यर ने कहा कि यदि पवन खेड़ा ही मुझे कांग्रेस से बाहर करते हैं, तब मैं खुद ही बाहर निकल जाऊंगा और खेड़ा को पीछे से लात मारूंगा।

ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीकों को देख बिल गेट्स ने की सरकार की तारीफ

–राज्य सचिवालय में सीएम नायडू ने किया गेट्स फाउंडेशन के सदस्यों का जोरदार स्वागत

अमरावती (एजेंसी)। बिल गेट्स ने राज्य सचिवालय में आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण और अन्य प्रमुख मंत्रियों से मुलाकात की। आंध्र प्रदेश में सहयोगात्मक परियोजनाओं के विस्तार पर चर्चा के लिए गेट्स फाउंडेशन का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल उनके साथ आया था। बिल गेट्स का सचिवालय के प्रथम ब्लॉक में गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

सीएम नायडू ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों का गेट्स से परिचय कराया। यात्रा के दौरान बिल गेट्स ने सचिवालय में रियल-टाइम गवर्नेंस केंद्र का निरीक्षण किया। सीएम नायडू ने उन्हें बताया कि आरटीजीएस प्रणाली किस प्रकार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सरकारी कार्यों की निगरानी और उन्हें बेहतर बनाती है। चर्चा में डिजिटल शासन के जरिए कई क्षेत्रों में हासिल उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और वास्तविक समय के डेटा-आधारित प्रशासन के लिए आंध्र प्रदेश के मॉडल को प्रदर्शित किया।

आरटीजीएस दौरे के बाद, बिल गेट्स और उनके प्रतिनिधिमंडल ने सीएम, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया। चर्चा का मुख्य केंद्र शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि क्षेत्रों में परियोजनाओं को मजबूत करना था, जिनमें गेट्स फाउंडेशन राज्य के साथ सक्रिय रूप से साझेदारी कर रहा है। नायडू ने राज्य का स्वर्णान्ध्र विजन 2047 प्रस्तुत किया, जिसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि क्षेत्रों में सुधारों और दीर्घकालिक लक्ष्यों की रूपरेखा पेश की गई। गेट्स ने नायडू के साथ अमरावती के पास उंडावल्ली गांव में एक कृषि क्षेत्र का दौरा भी किया। प्रतिनिधिमंडल ने ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए उन्नत कृषि पद्धतियों का अवलोकन किया। इस प्रदर्शन से यह स्पष्ट हुआ कि कैसे प्रौद्योगिकी उत्पादकता बढ़ा सकती है और राज्य में टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दे सकती है। गेट्स ने राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की और व्यापक प्रभाव के लिए इन पहलों को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए आगे सहयोग करने में रुचि दिखाई।

सियासी विवाद के बीच बोले उदित राज कहा- टीपू महान समाज सुधारक थे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मालेगांव से शुरू हुआ टीपू सुल्तान की तस्वीर का विवाद अब एक बड़े राजनीतिक टकराव में तब्दील हो चुका है। इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग के साथ-साथ सड़कों पर भी हिंसा देखने को मिल रही है। हाल ही में कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने 18वीं सदी के मैसूर शासक टीपू सुल्तान का समर्थन करते हुए उन्हें एक महान समाज सुधारक करार दिया है। उदित राज का यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता हर्षवर्धन सपकाल द्वारा टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से किए जाने पर पहले ही राज्य का सियासी पारा चढ़ा हुआ है।

उदित राज ने अपने बयान में इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि टीपू सुल्तान ने दलितों और पिछड़ों के हक में बड़े सुधार किए थे। उन्होंने स्तन कर जैसी कुप्रथा का जिक्र करते हुए दावा किया कि टीपू सुल्तान ने शूद्र महिलाओं को अपना शरीर ढंकने का अधिकार दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष किया था। उदित राज ने भाजपा और हिंदुत्ववादी संगठनों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जो लोग दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के उत्थान की बात करते हैं, ये संगठन उनसे नफरत करते हैं। उन्होंने सावरकर और गोलवलकर जैसे विचारकों का नाम लेते हुए कहा कि इतिहास में दलितों से नफरत करने वाले लोगों को आज प्रमोट किया जा रहा है।

इस विवाद की शुरुआत मालेगांव की उप-महापौर शान-ए-हिंद निहाल अहमद के कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाने से हुई थी। शिवसेना (शिंदे गुट) के पार्षदों ने नीलेश अहेर के नेतृत्व में इसका पुरजोर विरोध किया और तस्वीर हटाने की मांग की। इस दौरान उप-महापौर और पार्षदों के बीच तीखी बहस हुई, जिसमें अहमद ने स्पष्ट कर दिया कि वे किसी भी कीमत पर तस्वीर नहीं हटाएंगी। विवाद ने तब और अधिक उग्र रूप ले लिया जब कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल ने टीपू सुल्तान को भूमिपुत्र बताते हुए उन्हें वीरता के पैमाने पर छत्रपति शिवाजी महाराज के समकक्ष खड़ा कर दिया। इस तुलना पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। फडणवीस ने इसे महाराष्ट्र के आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान और बेहद शर्मनाक कृत्य बताया। भाजपा ने सपकाल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और उनके बयान की कड़ी निंदा की है।

झारखंड में जंगली हाथियों ने ली कई की जान, अब कुनकी हाथी इन पर पाएंगे काबू

–कर्नाटक से विशेष प्रशिक्षित हाथियों को बुलाया, ये होते हैं शांत और अनुशासित

रांची (एजेंसी)। झारखंड के चाईबासा और हजारीबाग में हाथियों के लगातार हमलों से ग्रामीण दहशत में हैं। हालात पर काबू पाने कर्नाटक से विशेष रूप से प्रशिक्षित छह कुनकी हाथियों को झारखंड बुलाया जा रहा है। ये विशेष रूप से प्रशिक्षित हाथी हैं, जो जंगली और उग्र हाथियों को काबू में करने में मदद करते हैं। चाईबासा और हजारीबाग में पिछले एक महीने में 25 से ज्यादा लोगों की मौत हाथियों के हमले में हो चुकी है। चाईबासा में एक अकेले हाथी ने 15 से ज्यादा लोगों की जान ली, जबकि हजारीबाग में पांच हाथियों के झुंड ने एक ही रात में सात लोगों की जान ले ली। अब उम्मीद है कि कुनकी हाथियों की मदद से इन बेकाबू हाथियों को जंगल की ओर वापस भेजा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुनकी शब्द फारसी भाषा से आया है, जिसका अर्थ होता है सहायक। कर्नाटक वन विभाग हाथियों को खास प्रशिक्षण देता है। इन प्रशिक्षित हाथियों के साथ अनुभवी महावत रहते हैं। ये हाथी शांत और अनुशासित होते हैं और इन्हें जंगली हाथियों को पकड़ने या नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तमिलनाडु के कालेम और कर्नाटक के अभिमन्यु जैसे कुनकी हाथी कई अभियानों को सफलतापूर्क पूरा किया है। ये हाथी अपनी गंध और व्यवहार से उग्र हाथियों को शांत करने में मदद करते हैं।

बता दें झारखंड में करीब 600 हाथी हैं, लेकिन जंगल क्षेत्र कम होने से उनके लिए भोजन और रहने की जगह घट गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में जंगल सिकुड़ रहे हैं। एक हाथी को रोज करीब 17 घंटे तक भोजन करना पड़ता है, लेकिन जंगल में पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है। इस वजह से हाथी गांव और खेतों की ओर आ रहे हैं, जहां उन्हें धान, सब्जियां और केला जैसी फसलें आसानी से मिल जाती हैं। खाने की तलाश और क्षेत्र को लेकर आपसी संघर्ष के कारण कई नर हाथी झुंड से अलग हो जाते हैं। ऐसे हाथी ज्यादा आक्रामक हो जाते हैं और इंसानों पर हमला करते हैं। राज्य सरकार और वन विभाग को उम्मीद है कि कुनकी हाथियों की मदद से हालात पर जल्द काबू पा लिया जाएगा और लोगों को राहत मिलेगी।